राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

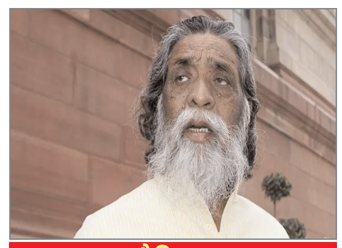

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 24 जनवरी 2026
वर्ष 14, अंक 275, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मजरा गजनीपुर में विकास ठप, खडंजा बना कीचड़ का नाला..03

सियार के हमले में वृद्धा गंभीर, वन विभाग कर रहा पकडने की जद्दोजहद..04

मध्य प्रदेश: गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे कर्नल सोफिया क़ुरैशी पर टिप्पणी करने वाले मंत्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- कर्नल सोफिया क़ुरैशी पर कथित तौर से विवादित टिप्पणी करने वाले मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता विजय शाह एक बार फिर सुर्खियों में हैं. इसकी वजह मध्य प्रदेश सरकार की ओर से गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर जारी की गई सूची है, जिसमें विजय शाह का नाम मुख्य अतिथियों की सूची में शामिल है।

विजय शाह रतलाम जिले में गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे. मालूम हो कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह के ख़िलाफ़ केस शुरू करने की मंजूरी में देरी पर सवाल उठाया था. तब मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बताया था कि अदालत द्वारा मई में गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) अपनी रिपोर्ट दाखिल कर चुकी है और अब राज्य सरकार से अभियोजन की मंजूरी का इंतज़ार किया जा रहा है।

ताज़ा विवाद तब शुरू हुआ, जब ध्वजारोहण वाली लिस्ट में मंत्री विजय शाह के नाम को लेकर कांग्रेस ने आपत्ति जताई. सरकार के इस निर्णय का तीखा विरोध करते हुए कांग्रेस ने इसे सेना और राष्ट्रीय सम्मान से जुड़ा मामला बताया है. कांग्रेस का कहना है कि जिस मंत्री पर देश

की बेटी और भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है, उसे गणतंत्र दिवस जैसे गरिमामय राष्ट्रीय पर्व पर मंच देना गलत संदेश देता है।

कांग्रेस प्रदेश विवेक त्रिपाठी ने कहा कि देश की बेटी और भारतीय सेना की बहादुर अधिकारी के खिलाफ अपमानजनक शब्द बोलने वाले मंत्री को रतलाम में तिरंगा फहराने की जिम्मेदारी देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. यह न सिर्फ सेना का अपमान है, बल्कि संविधान और राष्ट्रीय मूल्यों के भी खिलाफ है।

वहीं, भाजपा ने सरकार के फैसले का बचाव किया है. प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि सरकार ने मंत्री के बयान को गंभीरता से लिया और मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया।

कर्नल को लेकर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

दरअसल, यह पूरा मामला बीते साल 13 मई को मध्य प्रदेश के महू में आयोजित एक कार्यक्रम में विजय शाह द्वारा दिए गए बयान से जुड़ा है. उस कार्यक्रम में शाह ने कहा था कि जिन्होंने 'भारत की बेटियों को विधवा किया', उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'उनकी ही बिरादरी की बहन को भेजकर' सबक सिखाया है. उन्होंने यह टिप्पणी तुरंत दोहराई भी थी. हालांकि, शाह ने किसी का नाम नहीं लिया था, लेकिन विपक्षी दलों का आरोप है कि यह बयान कर्नल सोफिया कुरैशी की ओर इशारा करता है. कर्नल कुरैशी 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़ी मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ताओं में से एक रही हैं।

14 मई 2024 को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था. हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि मंत्री की टिप्पणी 'किसी और की नहीं बल्कि' कर्नल कुरैशी की ओर ही संकेत करती है. इसके बाद शाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया. उन पर भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने, समुदायों के बीच सौहार्द बिगाड़ने और ऐसे बयान देने का आरोप है, जिससे सांप्रदायिक सद्भाव प्रभावित हो सकता है।

इस कार्रवाई के बाद विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया. इससे पहले 13 मई को उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा था कि उनकी टिप्पणी को 'किसी दूसरे संदर्भ में' नहीं देखा जाना चाहिए. शाह ने कहा था कि अगर उनकी टिप्पणी से 'समाज और धर्म' को ठेस पहुंची है तो वे 'दस बार' माफी मांगने को तैयार हैं. अगले दिन उन्होंने एक और बयान जारी कर कहा कि वे अपनी टिप्पणी को लेकर 'शर्मिंदा और दुखी' हैं और कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना की.

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 19 मई को उनकी माफी को स्वीकार करने से इनकार करते हुए मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम गठित कर दी थी. अदालत ने शाह की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश भी दिया था. अगस्त में एसआईटी ने राज्य सरकार को मंत्री के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने का प्रस्ताव भेजा था. लेकिन अब तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया।

PM मोदी के जाते ही वेलकम करने एयरपोर्ट चले गए लेफ्ट वाले CM विजयन, तारीफ भी कर दी, केरल में ये क्या हुआ?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केरल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. अभी चुनावी शंखनाद नहीं हुआ है. हालांकि, सियासी हलचल बढ़ चुकी है. पीएम मोदी आज केरल में हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यानी शुक्रवार को केरल में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. उन्होंने नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. हालांकि, इस दौरान एक ऐसा नजारा भी दिखा, जिस पर लोग आश्चर्य कर रहे हैं. जी हां, एक तो केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पहले खुद एयरपोर्ट जाकर पीएम मोदी का वेलकम किया. उसके बाद उन्होंने पीएम मोदी और केंद्र की तारीफों के पूल भी बांधे. एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी सुबह करीब 10.25 बजे तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर उतरे. उनका स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर खुद केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पुहंचे थे. इस दौरान केरल के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर और दूसरे बड़े नेता भी मौजूद थे. इधर, बीजेपी ने प्रधानमंत्री के लिए एक शानदार स्वागत समारोह प्लान किया है, जिसमें एक बड़ा रोड शो भी शामिल है।

एयरपोर्ट पर विजयन ने किया पीएम मोदी का वेलकम

समाचार एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया. कई बड़ी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लॉन्च करने के लिए तिरुवनंतपुरम पहुंचे थे. उन्होंने इस मौके को केरल के लिए 'संतोष का एक यादगार पल' बताया. आधिकारिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विजयन ने

कहा कि कई परियोजनाओं का उद्घाटन और समर्पण करने के लिए प्रधानमंत्री का केरल दौरा राज्य के विकास को गति देने में बहुत मददगार होगा।

विजयन ने CSIR-NIIST इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप हब की आधारशिला रखने, नए पूजप्पुरा हेड पोस्ट ऑफिस भवन के उद्घाटन और एक लाख स्ट्रीट वेंडरों को लाभ पहुंचाने वाली पीएम स्वनिधि योजना के लॉन्च पर प्रकाश डाला. मुख्यमंत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम में योजना के तहत लाभार्थियों को क्रेडिट कार्ड और ऋण वितरण चेक भी सौंपे गए. मुख्यमंत्री ने आगे प्रधानमंत्री द्वारा तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों और एक यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाने का भी जिक्र किया, और नई रेल सेवाओं को कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधि के मामले में केरल के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया. सीएम विजयन ने कहा, 'यह राज्य सरकार के लिए संतोष का एक यादगार पल है, क्योंकि हम लगातार इनमें से कई परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी मांग रहे थे. उन्हें मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया. उन्होंने उम्मीद जताई कि केरल के प्रति केंद्र की चिंता और सद्भावना भविष्य में भी जारी रहेगी, और अन्य क्षेत्रों में राज्य की वास्तविक मांगों को भी उचित समय पर पूरा किया जाएगा. मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाए.

पहले भी कर चुके हैं तारीफ

अपने संबोधन के अंत में सीएम विजयन ने राज्य और अपनी ओर से एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया, और एक ऐसे कार्यक्रम में सहकारी संघवाद का माहौल बनाया जो केरल के लिए एक महत्वपूर्ण विकास मील का पत्थर साबित हुआ. यहां बताना जरूरी है कि इससे पहले भी साल 2016 में पिनराई विजयन पीएम मोदी की खुलकर तारीफ कर चुके हैं. मार्क्सवादी नेता विजयन ने तब कहा था कि पीएम मोदी केरल के विकास कार्यो में पूरी मदद करते हैं. ऐसा विरले ही देखा जाता है, जब केरल के मुख्यमंत्री पीएम मोदी की तारीफ करते हैं।

पीएम मोदी ने क्या-क्या किया?

पीएम मोदी ने तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन और एक त्रिशूर-गुरुवायूर यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिससे केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच क्षेत्रीय रेल संपर्क को मजबूत करने में मदद मिलेगी. इसके अलावा उन्होंने यहां सीएसआईआर-एनआईआईएसटी नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी और उद्यम केंद्र की आधारशिला रखी और 'पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड' की शुरुआत की जो यूपीआई से जुड़ी ब्याज मुक्त परिक्रामी ऋण सुविधा (रिवॉल्विंग क्रेडिट सुविधा) है. पीएम मोदी ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत कई लाभार्थियों को ऋण राशि और क्रेडिट कार्ड भी वितरित किए. साथ ही उन्होंने यहां श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी में अत्याधुनिक रेडियो सर्जरी केंद्र की आधारशिला भी रखी और नए पूजप्पुरा मुख्य डाकखाने का उद्घाटन किया।

संक्षिप्त ख़बरें

दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, तुर्कमान गेट हिंसा में आरोपी की जमानत रद्द

तुर्कमान गेट हिंसा मामले में दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला आया है. कोर्ट ने उस आरोपी को दी गई जमानत रद्द कर दी है जो इस महीने की शुरुआत में फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाए जाने के अभियान के दौरान पथराव करने वाली भीड़ में कथित तौर पर शामिल था. जस्टिस प्रतीक जालान ने मामले को पुनर्विचार के लिए अधीनस्थ अदालत में वापस भेजा है. जस्टिस जालान ने कहा है कि अदालत किसी व्यक्ति को दी गई राहत में हस्तक्षेप करने में बेहद सतर्क रहती है लेकिन यह एक असाधारण मामला है, जिसमें रेहड़ी-पटरी लगाने वाले उबैदुल्ला को एक अस्पष्ट और तर्कहीन आदेश से जमानत दी गई थी. अधीनस्थ अदालत ने उबैदुल्ला को 20 जनवरी को जमानत दी थी।

अभियोजन पक्ष के तर्कों पर अच्छी तरह से विचार नहीं हुआ

जस्टिस जालान ने कहा, जमानत आदेश में अभियोजन पक्ष के तर्कों पर अच्छी तरह से विचार नहीं किया गया. जमानत के फैसले को कंट्रोल करने वाले कारकों का ठीक से विश्लेषण भी नहीं किया गया. अदालत ने 21 जनवरी को पारित अपने आदेश में कहा, पर्याप्त कारणों के अभाव में अधीनस्थ अदालत का आदेश रद्द किया जाता है. साथ ही मामले को सत्र न्यायालय को वापस भेजा जाता है।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई गई: दिल्ली पुलिस

यह मामला 6 और 7 जनवरी की दरम्यानी रात को रामलीला मैदान क्षेत्र में मस्जिद के पास अतिक्रमण-रोधी अभियान के दौरान हुई हिंसा से जुड़ा है.पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई गई कि तुर्कमान गेट के सामने वाली मस्जिद को ध्वस्त किया जा रहा है, जिससे लोग मौके पर जमा हो गए. करीब 150-200 लोगों ने पुलिस और दिल्ली नगर निगम के कर्मियों पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकीं, जिससे क्षेत्र के थाना प्रभारी समेत छह पुलिसकर्मी घायल हो गए. उधर, पथराव की घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने बताया था कि अतिक्रमण हटाए जाने के संबंध में पुलिस ने पहले ही मीटिंग ली थी. अमन कमेटी के साथ भी मीटिंग हुई थी, जिसमें बताया गया था कि मस्जिद को नहीं बल्कि आसपास के अतिक्रमण को हटाया जाएगा. हमने 120 से 130 से ज्यादा मौलवियों के साथ मीटिंग की थी. उनसे कहा भी था कि अगर इस आदेश से खुश नहीं हैं तो अपील कर सकते हैं।

सांसद महुआ मोइत्रा मामले में दिल्ली HC का बड़ा फैसला, लोकपाल को दिए निर्देश, CBI चार्जशीट पर क्या कहा?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को TMC सांसद महुआ मोइत्रा के मामले में सुनवाई की. इस दौरान मोइत्रा के खिलाफ पैसे लेकर सवाल पूछने पर कोर्ट ने कहा कि लोकपाल को कानून के मुताबिक इस मामले में फैसला लेना होगा. साथ ही कोर्ट ने लोकपाल को 2 महीने का अतिरिक्त समय भी दिया है. दरअसल, पिछले साल हाईकोर्ट ने लोकपाल के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें CBI को मोइत्रा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने की मंजूरी दी गई थी. शुक्रवार को हाई कोर्ट में सुनवाई दौरान जस्टिस अनिल क्षत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने कहा कि लोकपाल को 2 महीने का अतिरिक्त समय दिया जाता है, वे फैसला करें CBI इस मामले में कानूनन चार्जशीट दाखिल करे या नहीं करे।

केस खत्म करने का समय 2 महीने बढ़ाया

पीठ ने कहा कि केस खत्म करने का समय 2 महीने बढ़ाया जाता है. समय बढ़ाने पर कोई और रिक्वेस्ट नहीं स्वीकार की जाएगी. इस पर महुआ और CBI दोनों के वकीलों ने कहा कि लोकपाल को दिए समय

का विरोध नहीं कर रहे हैं. दरअसल, लोकसभा की एथिक्स कमेटी में महुआ के दोषी पाए जाने के बाद के यह मामला कोर्ट में पहुंचा था. इसके बाद से ही हाई कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है. शुक्रवार को कोर्ट की सुनवाई के बाद माना जा रहा है कि आने वाले समय महुआ मोइत्रा को बड़ी राहत मिल सकती है।

महुआ पर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का आरोप

यह मामला अक्टूबर 2023 से शुरू हुआ था. BJP सांसद निशिकांत दुबे ने तृणमूल कांग्रेस सांसद मोइत्रा पर महंगे गिफ्ट्स और पैसे लेने के बदले में कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के इशारे पर अडाणी ग्रुप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निशाना साधते हुए लोकसभा में सवाल पूछने का आरोप लगाया था. इस दौरान महुआ पर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का भी आरोप लगा था. इसके बाद यह मामला लोकसभा की एथिक्स कमेटी में भेज दिया गया था, जहां पर महुआ दोषी पाई गई थीं. बाद में महुआ को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था।

दोषी पाए जाने के बाद लोकपाल के पास पहुंचा था मामला

बताया जाता है कि लोकसभा की एथिक्स कमेटी में महुआ के दोषी पाए जाने के बाद मामला लोकपाल के पास पहुंचा था. लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के तहत सांसद (MP) लोकपाल के दायरे में आते हैं. यदि आरोप रिश्वत, लाभ,या अनुचित प्रभाव से जुड़े हों तो लोकपाल जांच कर सकता है. इसके बाद महुआ इस मामले को लेकर हाई कोर्ट पहुंच गई. जिसके बाद से कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

शौचालय साफ, लेकिन घर में चूल्हा ठंडा, लखीमपुर खीरी का दर्द, डीएम से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- जिले में स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने सार्वजनिक सुलभ शौचालयों की देखरेख करने वाली केयरटेकर महिलाएं आज खुद बदहाली का शिकार हैं. वर्षों से वेतन न मिलने के कारण इन महिलाओं के परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं. परेशान महिलाओं ने अब जिला अधिकारी से शिकायत कर भुगतान की मांग की है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत हुई थी नियुक्ति

जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक सुलभ शौचालयों का निर्माण कराया गया था. इन शौचालयों की साफ-सफाई और देखरेख के लिए 1 जुलाई 2021 को केयरटेकर महिलाओं की नियुक्ति की गई थी. इन्हें प्रति माह 6000 रुपये मानदेय देने का प्रावधान था।

लगातार काम, लेकिन वेतन शून्य

केयरटेकर महिलाओं का कहना है कि वे नियमित रूप से सामुदायिक सुलभ शौचालयों की सफाई करती आ रही हैं. बावजूद इसके, अधिकांश महिलाओं को महीनों ही नहीं बल्कि वर्षों से वेतन नहीं मिला है. लगातार काम करने के बावजूद भुगतान न होना उनके लिए गंभीर समस्या बन गया है।

भुखमरी की कगार पर पहुंचे परिवार

न्यूज़ 18 लोकल से बातचीत में केयरटेकर

महिलाओं ने बताया कि वेतन न मिलने के कारण घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है. बच्चों की पढ़ाई, राशन और इलाज तक के लिए उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. कई बार ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी से गुहार लगाने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई।

केयरटेकर कल्पना ने बताई पीड़ा

केयरटेकर कल्पना ने बताया कि 26 महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक एक भी रुपये का भुगतान नहीं हुआ. उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम विकास अधिकारी लगातार धमकी देते हैं और सवाल करने पर डराया जाता है. इस वजह से महिलाएं मानसिक तनाव से भी गुजर रही हैं।

सुनीता ने लगाए गंभीर आरोप

केयरटेकर सुनीता ने बताया कि वे पिछले तीन साल से अधिक समय से शौचालय की सफाई कर रही हैं, लेकिन अब तक मानदेय नहीं मिला. जब वे ग्राम प्रधान या ग्राम विकास अधिकारी से बात करती हैं, तो उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया जाता. सुनीता ने ग्राम प्रधान पर 18000 रुपये रिश्वत लेने का आरोप भी लगाया है।

अंतिमा और शशि देवी की आपबीती

केयरटेकर अंतिमा ने बताया कि उन्हें पिछले 7 महीनों से मानदेय नहीं मिला है, जिससे रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना कठिन हो गया है. वहीं शशि देवी ने कहा कि उनकी नियुक्ति वर्ष 2021 में हुई थी और पांच साल में 38 महीने का मानदेय अभी तक नहीं मिला है. अधिकारियों से बार-बार कहने पर सिर्फ आश्वासन ही मिलता है।

जिला प्रशासन तक पहुंचा मामला

वेतन न मिलने से परेशान केयरटेकर महिलाओं ने जिला अधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है. महिलाओं ने मांग की है कि जल्द से जल्द उनका बकाया मानदेय दिलाया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो।

मुख्य विकास अधिकारी का बयान

मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि जिन केयरटेकर महिलाओं का वेतन नहीं मिला है, वह मामला उनके संज्ञान में आया है. उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द सभी पात्र केयरटेकर महिलाओं को उनका बकाया वेतन उपलब्ध कराया जाएगा।

सरकारी योजनाओं पर उठते सवाल

स्वच्छ भारत मिशन जैसी महत्वाकांक्षी योजना में काम कर रही महिलाओं का यह हाल सरकारी व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करता है. समय पर भुगतान न होना न सिर्फ महिलाओं के हौसले तोड़ रहा है, बल्कि योजना की मंशा पर भी असर डाल रहा है. अब देखना होगा कि प्रशासन अपने वादे पर कितनी जल्दी अमल करता है।

अपराध पर वाराणसी जोन पुलिस का डिजिटल वार, शुरू हुआ 'पुलिस सतर्क मित्र' चैटबॉट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश में अपराध पर लगाम कसने और आम जनता की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से वाराणसी जोन पुलिस ने एक बड़ा कदम उठाया है। वाराणसी रेंज के डीआईजी वैभव कृष्ण द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई पुलिस सतर्क मित्र व्हाट्सएप चैटबॉट सेवा की सफलता के बाद अब इसे पूरे वाराणसी जोन में लागू कर दिया गया है। 23 जनवरी को एडीजी वाराणसी जोन पीयूष मोर्डिया और डीआईजी वैभव कृष्ण ने एक साथ जोन के सभी नौ जिलों में इस व्यवस्था की शुरुआत की। इसी कड़ी में पुलिस लाइन गाजीपुर में 'पुलिस सतर्क मित्र' की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न की गई। जिसमे अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन वाराणसी की अध्यक्षता में 'पुलिस सतर्क मित्र' पहल की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। तकनीक और जनता के अटूट तालमेल से अपराधियों पर कड़ा प्रहार किया जा रहा है। जिससे सुरक्षित समाज के लिए तकनीकी तरीके से 'पुलिस सतर्क मित्र' काम करेगी।

सकारात्मक प्रतिक्रिया आई सामने

इससे पहले 20 जनवरी से गाजीपुर, चंदौली और जौनपुर जिलों में इस सेवा का ट्रायल किया गया था, जहां से पुलिस को उल्लेखनीय इनपुट मिले। इसी सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद इसे जोन स्तर पर विस्तार दिया गया है। पुलिस सतर्क मित्र नामक यह व्हाट्सएप चैटबॉट पूरी तरह ऑटोमेटेड सिस्टम पर आधारित है, जिसे डीआईजी वैभव कृष्ण की पहल पर विकसित कराया गया है। इसके लिए जारी नंबर 7839860411 पर आम नागरिक बिना किसी डर के सूचना साझा कर सकते हैं।

आपराधिक गतिविधियों की जानकारी साझा कर सकते हैं लोग

इस सेवा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि सूचना देने वाले का नाम और मोबाइल नंबर पुलिस को दिखाई नहीं देता। ऐसे में लोग बेझिझक अपने इलाके में हो रही अवैध और आपराधिक गतिविधियों की जानकारी दे सकते हैं। प्राप्त सूचनाओं पर पुलिस प्रभावी कार्रवाई करेगी और उनकी साप्ताहिक व मासिक समीक्षा भी की जाएगी। फोटो और वीडियो के आधार पर मामलों की संवेदनशीलता तय कर कार्रवाई की जाएगी।

एडीजी पीयूष बोले- पुलिस और जनता के बीच भरोसे का सेतु है

पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वाराणसी जोन के सभी जिलों के पुलिस कप्तान और मीडिया प्रतिनिधि जुड़े। एडीजी पीयूष मोर्डिया ने इस पहल को पुलिस और जनता के बीच भरोसे का सेतु बताया। कार्यक्रम में एसएसपी डॉ. अनिल कुमार, एसपी ग्रामीण चिराग जैन, एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

व्हाट्सएप पर 'Hi' संदेश भेजकर सवालों के देने होते हैं जवाब

पुलिस सतर्क मित्र पर गौहत्या, गौ तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियार, जुआ-सट्टा, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध, पुलिस भ्रष्टाचार, मानव तस्करी और अवैध खनन जैसी गतिविधियों की शिकायत की जा सकती है। इस सेवा के लिए किसी अलग ऐप की जरूरत नहीं है। केवल व्हाट्सएप पर 'Hi' संदेश भेजकर भाषा चुननी होती है और पूछे गए सवालों के जवाब देने होते हैं।

शिकायतें पर पुलिस ने की कार्रवाई

पुलिस आंकड़ों के मुताबिक, 20 दिसंबर 2025 से 33 दिनों में इस चैटबॉट के जरिए 203 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें अवैध खनन, अवैध वसूली, गौ तस्करी, जुआ, छेड़खानी, धर्मांतरण, विदेश भेजने के नाम पर ठगी और अवैध हथियारों से जुड़े कई मामले शामिल हैं, जिन पर पुलिस ने कार्रवाई की है। डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट को बेहद अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इसी वजह से अब इसे व्यापक स्तर पर लागू किया गया है, ताकि आपराधिक गतिविधियों पर समय रहते अंकुश लगाया जा सके।

मोदी जी, आपकी कमजोरी की सजा देश क्यों भुगते? कपड़ा फैक्ट्री पहुंचे राहुल गांधी का बड़ा हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी शुल्क के कारण भारतीय कपड़ा उद्योग को ''हो रहे नुकसान'' को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें अपनी 'कमजोरी' का असर अर्थव्यवस्था पर और नहीं पड़ने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता होना चाहिए जिसमें भारतीय व्यवसाय और मजदूरों को तवज्जो मिले। राहुल गांधी ने हाल ही में गुरुग्राम के निकट मानेसर में एक कपड़ा फैक्ट्री का दौरा किया और इसका वीडियो उन्होंने शुक्रवार को अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। राहुल ने कहा, ''मोदी जी, आपकी जवाबदेही बनती है, कृपया इस मामले पर ध्यान दीजिए।'' उनका कहना था, ''भारत का कपड़ा उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था में रोजगार देने के मामले में दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। हमारे कपड़े दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं, और हमारे दर्जियों की कारीगरी का सच में कोई मुकाबला नहीं है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिकी शुल्क के कारण कपड़ा उद्योग बहुत अनिश्चितता का सामना कर रहा है। राहुल गांधी ने दावा किया, ''अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, यूरोप में कीमतें गिर रही हैं, बांग्लादेश एवं चीन से कड़ा मुकाबला है, हमारे कपड़ा उद्योग और कपड़ा निर्यातक हर तरफ से पिस रहे हैं।'' उनका कहना था, ''इसका सीधा असर नौकरियों पर पड़ रहा है, इकाइयां बंद हो रही हैं, खरीद घट रही है और पूरे क्षेत्र में खलबली है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''नरेन्द्र मोदी ने कोई राहत नहीं दी है और न ही टैरिफ के बारे में बात की है, जबकि 4.5 करोड़ से ज़्यादा नौकरियां और लाखों बिज़नेस दांव पर लगे हैं।'' उनके मुताबिक, इस क्षेत्र में काम करने वालों को उन्हें बस एक ऐसी सरकार चाहिए जो उन्हें वास्तविक सहयोग दे। राहुल गांधी ने कहा, ''यह बहुत ज़रूरी है कि भारत अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता करे जिसमें भारतीय उद्योग और भारतीय मज़दूरों को वरीयता मिले। प्रधानमंत्री मोदी को अपनी कमज़ोरी का असर हमारी अर्थव्यवस्था पर और नहीं पड़ने देना चाहिए।''

अविमुक्तेश्वरानंद के शंकराचार्य पद की दावेदारी पर संकट गहराया

प्रयाग राज में मौनी अमावस्या के दिन पालकी पर सवार होकर संगम तट तक जाने की प्रशासन से तकरार अविमुक्तेश्वरानंद को महंगी पड़ रही है? प्रशासन ने तो उन्हें शंकराचार्य मानने से ही इंकार कर दिया है और इस के आधार में सुप्रीम कोर्ट में लम्बित मामले का हवाला भी दिया है। प्रयागराज में अविमुक्तेश्वरानंद और माघ मेला प्रशासन के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। 48 घंटे के अंदर प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को दूसरा नोटिस भेजा है। इसमें मौनी अमावस्या के दिन बैरियर तोड़ने और जबरन भीड़ में बग्घी घुसाने को लेकर सवाल किए हैं। नोटिस में पूछा है कि क्यों न आपको हमेशा के लिए माघ मेले से बैन कर दिया जाए। अगर 24 घंटे के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो संस्था को दी गई जमीन और सुविधाएं वापस ले लेंगे।लगता है कि अब ज्योतिष पीठ पर अविमुक्तेश्वरानंद की शंकराचार्य पदवी की दावेदारी का विवाद अब और मुखर हो गया है। आपको बता दें कि प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में मौनी अमावस्या के स्नान को लेकर ज्योतिष पीठ बद्रीनाथ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन आमने सामने आ गए थे. मेला प्रशासन ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को पालकी पर सवार होकर स्नान के लिए जाने से रोक दिया था. इसके बाद शंकराचार्य समर्थकों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई थी. इससे नाराज होकर शंकराचार्य ने धरना शुरू कर दिया. उनका धरना अभी भी जारी है. शंकराचार्य इस बात पर अड़े हैं कि प्रशासन माफी मांगे. उनका कहना है कि माफी के बिना वो अपने आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे. इस बीच एक कड़ा कदम उठाते हुए मेला प्रशासन ने सोमवार को उन्हें एक नोटिस जारी किया. इसमें उनसे 24 घंटे में यह साबित करने को कहा गया है कि वो ही शंकराचार्य हैं. इस नोटिस में सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक मामले का जिक्र है.माघ मेला प्राधिकरण ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को भेजे नोटिस में पूछा है कि उन्होंने अपने नाम के आगे 'शंकराचार्य' क्यों लगाया है? मेला प्राधिकरण के नोटिस में सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन एक मामले का उल्लेख है.मेला प्रशासन का कहना है कि अभी तक इस मामले में कोई आदेश पारित नहीं हुआ है, ऐसे में कोई भी धर्माचार्य ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेकित नहीं हो सकता. बावजूद इसके स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मेला क्षेत्र में लगे शिविर के बोर्ड पर अपने नाम के आगे 'शंकराचार्य' अंकित किया है। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 16 सितंबर 2022 को शंकराचार्य के रूप में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के पट्टाभिषेक अभिनंदन समारोह पर रोक लगा दी थी. यह समारोह 17 सितंबर 2022 को होना था. अदालत में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना के पीठ को बताया था कि गोवर्धन मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने एक हलफनामा दायर कर ज्योतिष्पीठ पीठ के नए शंकराचार्य के रूप में अविमुक्तेश्वरानंद की नियुक्ति का समर्थन नहीं किया है. इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उक?त आदेश पारि?त किया. सुप्रीम कोर्ट एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने दिवंगत शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती द्वारा ज्योतिष पीठ के उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाने का झूठा दावा किया था. यह मामला 2020 से शीर्ष कोर्ट में चल रहा है. इसी मामले में एक नई याचिका दायर कर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के पट्टाभिषेक को रोकने की मांग की गई थी. इस याचिका में मीडिया में आई खबरों के हवाले से बताया गया था कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का पट्टाभिषेक 17 अक्तूबर 2022 को होने वाला है.इस याचिका में पट्टाभिषेक समारोह को रोकने की मांग की गई थी।प्रशासन का कहना है कि चूंकि मुख्य अपील अभी भी विचाराधीन है और कोई नया आदेश नहीं आया है, इसलिए वर्तमान में ज्योतिष्पीठ का कोई भी नया शंकराचार्य कानूनी रूप से मान्य नहीं है.

दूसरी ओर माघ मेला प्रशासन के नोटिस के जवाब में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की ओर से सोशल मीडिया पर कहा गया है कि जब पट्टाभिषेक 12 सितंबर 2022 को हो चुका है तो सुप्रीम कोर्ट के आदेश का कोई मतलब नहीं है. उनका कहना है कि जब पट्टाभिषेक हो चुका है तो दुबारा क्यों होगा. उनका दावा है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का पट्टाभिषेक वसीयत या इच्छा पत्र के मुताबिक हुआ है. इस वसीयत को कोर्ट ने भी मान्यता दे दी है. सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- शंकराचार्य वो होता है जिसे बाकी 3 पीठ शंकराचार्य कहते हैं। 2 पीठ हमें शंकराचार्य कहते हैं। पिछले माघ मेले में हमको साथ लेकर स्नान कर चुके हैं। अब आपको किस प्रमाण की जरूरत हैं।क्या ये प्रशासन तय करेगा कि हम शंकराचार्य हैं या नहीं। भारत के राष्ट्रपति को भी अधिकार नहीं है कि वो तय करे कि कौन शंकराचार्य होगा।

इधर, अविमुक्तेश्वरानंद अड़े हैं कि जब तक प्रशासन माफी नहीं मांगेगा, तब तक वे आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे। उन्होंने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था- हर मेले में प्रयागराज आऊंगा, लेकिन शिविर में नहीं, फुटपाथ पर रहूंगा।उधर संत समुदाय में भी अविमुक्तेश्वरानंद के विरोधियों की भी कमी नहीं है। तुलसी पीठाधीश्वर संत रामभद्राचार्य ने कहा है कि शास्त्र के विरुद्ध किए गए किसी भी कार्य का परिणाम सुखद नहीं होता और जो व्यक्ति स्वयं शास्त्र-विरोधी कार्य करेगा, उसे न तो सुख मिलेगा, न शांति और न ही गति. उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वह स्वयं पैदल स्नान के लिए जाते हैं, क्योंकि यही शास्त्रसम्मत मार्ग है।इस घटनाक्रम पर पहली बार उज्जैन से अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरिगिरि महाराज का बयान आया है। उन्होंने न सिर्फ घटना को चिंताजनक बताया, बल्कि शंकराचार्य के पद और अखाड़ों की परंपरा को लेकर भी सीधे सवाल खड़े कर दिए।उन्होंने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के पद को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि वे जिस पद पर आसीन हुए हैं, उसमें अभी अखाड़ा परिषद की ओर से उन्हें चादर ओढ़ाना बाकी है।हमारी परंपरा है कि समस्त 13 अखाड़े मिलकर एक साथ चादर ओढ़ाते हैं। जब समाज और अखाड़े आपको चादर ओढ़ाएंगे, तभी आप पूरे समाज के शंकराचार्य होंगे और समाज आपको पूरी तरह स्वीकार करेगा।

बहरहाल स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का विवादों से पुराना नाता है लेकिन इस बार उनकी शंकराचार्य पदवी पर ही सवाल मुखर हो गया है।

मनोज कुमार अग्रवाल

सनातन वैदिक संस्कृति और साहित्य सत्य की तरह सदैव प्रासंगिक एवं परमार्थ उपयोगी

साहित्य सत्य की साधना शिवत्व की कामना और सौंदर्य की अभिव्यंजना हैद्य शुद्ध, जीवंत एवं उत्कृष्ट साहित्य मानव एवं समाज की संवेदना और उसकी सहज वृत्तियों को युगों युगों तक जनमानस मैं संचारित करता आ रहा है और यही कारण है कि कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद, शेक्सपियर की कृतियाँ आज भी लोगों के मध्य अपनी रस सुधा से हृदय को भिगोती रहती हैद्य राजनैतिक और भौगोलिक दृष्टि से विश्व कितने ही भागों में बट जाए, मतभेद और विवादों की खाई कितनी भी गहरी हो जाए, पर साहित्य धरातल पर सब सामान्य और एक हैं। दुनिया में मानव एक है। उनकी रचनाएं सभी जगह एक और समान हैद्य यह भी सत्य है कि किसी भी देश की भाषा और साहित्य के अध्ययन के आधार पर वहां की सभ्यता संस्कृति के विकास का सहज विधि का अनुमान लगाया जा सकता है। साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा, उत्थान पतन का स्पष्ट चित्रण होता है। साहित्य की इन्हीं विशेषताओं के कारण साहित्य कालजई और सास्वत होता है। मुंशी प्रेमचंद जी ने साहित्य को 'जीवन की आलोचना' भी कहा है। साहित्य एक स्वायत्त आत्मा है, और उसकी सृष्टि करने वाला भी ठीक से नहीं घोषणा कर सकता है कि उसके द्वारा रचे गये साहित्य की अनुगूंज कब और कहां तक जाएगी। इस तरह साहित्य का सत्य समाज की नैतिक चिंता है। समाज की विसंगतियों को दूर करने वाला एक बड़ा रक्षक भी है। प्राचीन मनीषियों द्वारा लिखा गया साहित्य अत्यंत आकर्षक एवं प्रिय इसलिए भी लगता है कि मनुष्यता का एक संपूर्ण चरित्र चित्रण होता है। साहित्य और संस्कृति एक दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। मानवी जीवन की तरह साहित्य मैं भी संघर्ष और निरंतरता की निरंतरता समाहित होती है। समय और परिस्थिति की संस्कृति का प्रभाव साहित्य पर निरंतर परिलक्षित होता रहता है। यह साहित्य ही है जो वर्तमान को सामने रख भविष्य की रूपरेखा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाज की सुषुप्त विवेक शक्ति को जागृत कर समाज का दिशा दर्शन भी करता है। अपने समय की विसंगतियों को दूर करने के साथ ही गुणात्मक साहित्य सदैव प्रासंगिक बना रहता है। समाज और जनमानस को आलोक स्तंभ की तरह पल्लवित एवं प्रकाशित करता है। वर्तमान के भौतिक समय में जब मानवता और संवेदना की पीड़ा की गूंज सभी जगह फैली हुई है, ऐसे में सत साहिब से और अर्वाचीन संस्कृति दिशा दर्शन और माननीय संवेदनाओं को संबल देने में अत्यंत प्रासंगिक भी है। यह कतई कहने की आवश्यकता नहीं है कि श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर प्रासंगिक मूल्यों,संदेश और उद्देश्यों को समाए रखता है। कबीर दास रविंद्र नाथ टैगोर, शरद चंद, जयशंकर प्रसाद, रेणु, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन आदि का साहित्य जनमानस के मन में और जीवन में रच बस गया है। इन्होंने प्रतिभा सापेक्ष श्रेष्ठ रचनाएं समाज को दी हैं। और यही कारण है इनकी रचनाओं से संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। साहित्य सदैव सामाजिक प्रक्रिया के आर्थिक राजनीतिक और समकालीन विचारधारा से बहुत ज्यादा प्रभावित रहा है। उनको प्रभावित भी करता है। इस तरह साहित्य संस्कृति के परिपेक्ष में देश कालिक होता है। शाहिद आदर्शवादी हो या आशावादी इस संदर्भ में अलग-अलग विद्वानों के अलग-अलग मत हैं। इस जीवन की आपाधापी में जहां निराशा कुंठा और समाजिक अंधविश्वास का भ्रम फैला है। वहां आशावादी दृष्टिकोण साहित्य के दायित्व को और गहरा बनाता है। इन दोनों बातों के समाधान के लिए जयशंकर प्रसाद की चंद पंक्तियां बहुत ही प्रासंगिक होगी कि 'जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवाद। साहित्य की पूर्णता के लिए यथार्थवाद और आशावाद दोनों का समन्वित रूप होना चाहिए ', वास्तव में संस्कृति साहित्य के लिए एक प्रेरणा है ।और संस्कृति साहित्य पर समय और काल पर अवलंबित होती है। साहित्य और संस्कृति दूसरे एक दूसरे के निश्चित तौर पर पूरक हैं। वर्तमान संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक भी। आशा करते हैं कि हिंदी साहित्य वैश्विक फलक पर बहुत ही शीघ्र अपना परचम स्थापित करेगा।

संजीव ठाकुर

आतंकवाद पर साझा रुख और भविष्य के सहयोग की रूपरेखा

भारत-स्पेन संबंधों में नई ऊर्जा

नई दिल्ली में स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस के साथ हुई बैठक के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के वक्तव्य ने भारत-स्पेन संबंधों की मौजूदा गहराई और भविष्य की दिशा को स्पष्ट रूप से सामने रखा। इस मुलाकात में कूटनीति, सुरक्षा, व्यापार, रक्षा, संस्कृति और तकनीक जैसे अनेक आयामों पर व्यापक चर्चा हुई। जयशंकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत और स्पेन दोनों ही आतंकवाद के शिकार रहे हैं, इसलिए आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर जीरो टॉलरेंस'यानी शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाना समय की मांग है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में साझा चुनौतियों का सामना केवल आपसी सहयोग और समान सोच के जरिए ही किया जा सकता है। बैठक के दौरान जयशंकर ने स्पेन के कोंडीबा में 18 जनवरी को हुए भीषण ट्रेन हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस दर्दनाक दुर्घटना में 40 लोगों की जान चली गई थी और अनेक लोग घायल हुए थे। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। यह हादसा उस समय हुआ था जब एक ट्रेन पटरी से उतरकर दूसरी ट्रेन से टकरा गई। जयशंकर की यह संवेदनशील प्रतिक्रिया दोनों देशों के बीच मानवीय स्तर पर मौजूद आपसी समझ और सहानुभूति को भी दर्शाती है। भारत और स्पेन के रिश्तों के लिहाज से वर्ष 2026 विशेष महत्व रखता है। दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं। इस अवसर को और भी खास बनाने के लिए संस्कृति, पर्यटन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का संयुक्त वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया है। जयशंकर ने इस मौके पर एक विशेष लोगो का भी अनावरण किया, जिसे एक प्रतियोगिता के माध्यम से चुना गया। यह पहल न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का प्रतीक है, बल्कि लोगों को इन रिश्तों से जोड़ने का एक रचनात्मक प्रयास भी है।

आतंकवाद के मुद्दे पर जयशंकर का रुख बेहद स्पष्ट और सख्त रहा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के लिए खतरा है। भारत और स्पेन, दोनों ही देशों ने आतंकवादी हमलों का दर्द झेला है, इसलिए उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस विषय को मजबूती से उठाएं। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि कुछ देश अब भी राजनीतिक या रणनीतिक कारणों से आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड अपनाते हैं, जो वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच तेजी से प्रगति हो रही है। जयशंकर ने बताया कि मेड इन इंडिया सी-295 परिवहन विमान इस वर्ष सितंबर से पहले बनकर तैयार हो जाएगा। वडोदरा में इस विमान की फैक्ट्री का उद्घाटन अक्टूबर 2024 में हुआ था, जो भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना भारत और स्पेन के बीच तकनीकी सहयोग और आपसी विश्वास का उदाहरण है। रक्षा क्षेत्र में यह साझेदारी न केवल दोनों देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करेगी, बल्कि वैश्विक रक्षा बाजार में भारत की भूमिका को भी सशक्त बनाएगी। तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर भी दोनों देशों की सोच में काफी समानता दिखाई देती है। जयशंकर ने बताया कि भारत अगले महीने एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करेगा। भारत एआई के नैतिक, जिम्मेदार और मानव-केंद्रित उपयोग के पक्ष में है, जो यूरोप की सोच से भी मेल खाता है। उन्होंने कहा कि तकनीक का उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए, न कि उसे जोखिम में डालना। इस दिशा में भारत और स्पेन मिलकर वैश्विक मानकों और नियमों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

व्यापार और आर्थिक सहयोग भारत-स्पेन संबंधों का एक मजबूत स्तंभ है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 8 अरब डॉलर से अधिक का हो चुका है और इसमें निरंतर वृद्धि की संभावनाएं हैं। स्पेन की कंपनियां भारत में बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और परिवहन जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं, जबकि भारतीय कंपनियां स्पेन में सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और अन्य क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे की पूरक हैं और आपसी निवेश से रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। लोगों से लोगों के बीच संपर्क को लेकर भी जयशंकर ने सकारात्मक तस्वीर पेश की। उन्होंने कहा कि स्पेन में योग, आयुर्वेद और भारतीय संस्कृति की बढ़ती लोकप्रियता इस बात का प्रमाण है कि भारतीय परंपराएं वैश्विक स्तर पर स्वीकार की जा रही हैं। वहीं भारत में स्पेनिश भाषा, संगीत और कला के प्रति बढ़ती रुचि दोनों समाजों के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाती है। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपसी समझ और सम्मान को भी मजबूत करता है। बैठक में बदलती वैश्विक व्यवस्था और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। जयशंकर ने कहा कि आज की दुनिया कई जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें भू-राजनीतिक तनाव, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी समस्याएं शामिल हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए देशों को संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। भारत और स्पेन जैसे लोकतांत्रिक देश इस दिशा में उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं।

जयशंकर का यह भी मानना है कि 70 वर्षों के राजनयिक संबंध केवल अतीत की उपलब्धियों का उत्सव नहीं हैं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का भी संकेत हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत और स्पेन के बीच सहयोग को और अधिक व्यापक और गहरा बनाने की जरूरत है। शिक्षा, अनुसंधान, हरित ऊर्जा और डिजिटल तकनीक जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है। कुल मिलाकर, स्पेन के विदेश मंत्री के साथ हुई यह बैठक भारत की सक्रिय और दूरदर्शी विदेश नीति को दर्शाती है। आतंकवाद पर सख्त रुख, मानवीय संवेदना, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक जुड़ाव ये सभी पहलू भारत-स्पेन संबंधों को एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। डॉ. एस. जयशंकर के शब्दों में झलकता आत्मविश्वास और स्पष्टता यह संकेत देती है कि भारत न केवल अपने हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि वैश्विक शांति, सुरक्षा और विकास में भी एक जिम्मेदार भूमिका निभाने के लिए तैयार है। आने वाला समय निश्चित रूप से भारत और स्पेन के रिश्तों को नई दिशा और नई ऊंचाई जरूर देगा।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

डोडा की खाई और देश का घाववीर जवानों का बलिदान, परिवारों की अटूट सहनशीलता

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सेना का वाहन गहरी खाई में गिरने की खबर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। यह कोई सामान्य दुर्घटना नहीं थी, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा में तैनात उन वीर जवानों का असमय अंत था, जो हर दिन अपने जीवन को जोखिम में डालकर हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। 200 से 400 फीट गहरी खाई में गिरा वाहन, उसमें सवार जवानों की चीखें, और पल भर में उजड़ गए घर,यह दृश्य केवल एक हादसे का नहीं, बल्कि पूरे देश के दिल पर लगे गहरे घाव का प्रतीक है। दस जवानों की शहादत और कई के गंभीर रूप से घायल होने की खबर ने एक बार फिर हमें यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि हमारी सुरक्षा की कीमत कितनी भारी होती है।

यह पहली बार नहीं है जब पहाड़ी इलाकों में तैनाती के दौरान ऐसा दिल दहला देने वाला हादसा हुआ हो। इससे पहले भी कई बार जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और अन्य दुर्गम क्षेत्रों में सेना के वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। कभी खराब मौसम, कभी संकरी और खतरनाक सड़कें, तो कभी तकनीकी या मानवीय चूक,हर बार कारण अलग होते हैं, लेकिन परिणाम एक ही रहता हैः देश अपने सपूत खो देता है। हर ऐसी घटना के बाद शोक संदेश आते हैं, जांच के आदेश दिए जाते हैं, और कुछ समय बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन जिन परिवारों ने अपने बेटे, पति या पिता को खोया है, उनके लिए जीवन कभी सामान्य नहीं हो पाता।

डोडा की इस घटना ने उन परिवारों पर आफत के बादल मंडरा दिए हैं, जिन्होंने गर्व के साथ अपने लाल को वर्दी पहनाई थी। किसी मां ने अपने बेटे को देश की रक्षा के लिए विदा किया था, यह सोचकर कि वह वीरता के साथ लौटेगा। किसी पत्नी ने पति को यह कहकर विदा किया था कि जल्दी आना। किसी छोटे बच्चे ने पिता की उंगली पकड़कर स्कूल जाने का सपना देखा था। एक पल में ये सारे सपने खाई में गिर गए वाहन के साथ चकनाचूर हो गए। यह क्षति केवल परिवार की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की है, क्योंकि हर शहीद जवान के साथ अनुभव, साहस और समर्पण की एक पूरी दुनिया खो जाती है।

देश को होने वाला नुकसान केवल आंकड़ों में नहीं मापा जा सकता। दस जवानों की शहादत का मतलब है दस घरों का उजड़ जाना, दस परिवारों का हमेशा के लिए बदल जाना। इन जवानों ने न केवल अपने वर्तमान, बल्कि अपने भविष्य के सपनों का भी बलिदान दिया। वे रिटायरमेंट के बाद खेतों में काम करने, बच्चों की पढ़ाई देखने, या शांत जीवन जीने के सपने देखते होंगे। लेकिन राष्ट्र की सेवा में ये सारे सपने अधूरे रह गए। यह नुकसान उस समय और गहरा हो जाता है जब हम सोचते हैं कि ये जवान किसी युद्ध में नहीं, बल्कि एक सड़क हादसे में शहीद हुए।

वाहन चलाते समय लापरवाही का सवाल भी यहां उठता है, हालांकि पहाड़ी इलाकों में हर दुर्घटना को केवल लापरवाही कह देना उचित नहीं होगा। संकरी सड़कों पर एक छोटी सी चूक भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। फिर भी, यह जरूरी है कि सैन्य वाहनों की तकनीकी जांच, ड्राइवरों का प्रशिक्षण और सड़क सुरक्षा के उपायों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए। हर शहीद के बाद अगर हम सिर्फ श्रद्धांजलि देकर आगे बढ़ जाते हैं, तो यह उन बलिदानों के साथ न्याय नहीं होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, ताकि हमारे जवान सुरक्षित रहें और उनका जीवन यूं ही न छिन जाए।

इन तमाम दुखद तथ्यों के बीच, सबसे अधिक प्रेरणादायक है वीर जवानों के परिवारों की सहनशीलता। गहरे शोक के बावजूद, ये परिवार अपने दुख को भीतर समेटकर देश के सामने सिर ऊंचा रखते हैं। शहीद की मां आंसुओं के बीच यह कहती है कि उसे अपने बेटे पर गर्व है। पत्नी अपने बच्चों को यह सिखाती है कि उनके पिता देश के लिए शहीद हुए हैं, और यही सबसे बड़ा सम्मान है। पिता टूटे हुए दिल के साथ भी यह कहते हैं कि अगर दूसरा बेटा होता, तो वह भी देश की सेवा के लिए भेजते। यह सहनशीलता साधारण नहीं, बल्कि असाधारण है।

इन परिवारों की ताकत हमें यह सिखाती है कि देशभक्ति केवल सीमा पर लड़ने तक सीमित नहीं है। यह उस साहस में भी झलकती है, जिससे एक परिवार अपने अपूरणीय नुकसान को स्वीकार करता है। वे जानते हैं कि उनका दर्द व्यक्तिगत है, लेकिन उनका बलिदान राष्ट्रीय है। इसी भावना के कारण वे अपने आंसुओं को छुपाकर राष्ट्र को मजबूत बनाने में योगदान देते हैं। जब पूरा देश शोक में डूबा होता है, तब ये परिवार अपने दुख के बावजूद दूसरों को ढांढस बंधाते हैं। यह सहनशीलता ही है जो भारत को बार-बार कठिन परिस्थितियों से उबरने की शक्ति देती है।

राष्ट्र का दायित्व है कि वह इन परिवारों के साथ केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्मों में भी खड़ा हो। मुआवजा, सरकारी सहायता और सम्मान जरूरी हैं, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है दीर्घकालिक समर्थन। शहीद के बच्चों की शिक्षा, परिवार के रोजगार और मानसिक सहयोग की जिम्मेदारी समाज और सरकार दोनों की है। जब तक इन परिवारों को यह भरोसा नहीं मिलेगा कि देश उनके साथ है, तब तक हमारी श्रद्धांजलि अधूरी रहेगी।

डोडा की यह घटना हमें यह भी याद दिलाती है कि हमारी रोजमर्रा की शांति और सुरक्षा के पीछे कितनी बड़ी कीमत छिपी है। जब हम अपने घरों में सुरक्षित सोते हैं, तब कोई जवान बर्फीली रातों में पहरा दे रहा होता है। जब हम अपने परिवार के साथ त्योहार मनाते हैं, तब कोई जवान खतरनाक सड़कों पर सफर कर रहा होता है। उनकी शहादत हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हमें अपने सैनिकों के प्रति केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक के रूप में भी कृतज्ञ होना चाहिए।

अंत में डोडा की खाई में गिरा वह वाहन केवल एक दुर्घटना का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उस संघर्ष का प्रतीक है, जो हमारे जवान हर दिन झेलते हैं। यह उन परिवारों की कहानी है, जिनके आंगन सूने हो गए, लेकिन जिनका गर्व आज भी जीवित है। यह देश के लिए एक चेतावनी भी है कि सुरक्षा केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि हर उस रास्ते पर जरूरी है, जहां से हमारे जवान गुजरते हैं। जब तक हम उनके जीवन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं देंगे, तब तक हर ऐसी घटना हमारे दिलों को यूं ही छलनी करती रहेगी।

वीर जवानों का बलिदान अमर है। उनके परिवारों की सहनशीलता हमें झुककर सलाम करने को मजबूर करती है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम उनके सपनों को अपने कर्मों से जीवित रखें, ताकि भविष्य में कोई और परिवार इस दर्द से न गुजरे और राष्ट्र अपने सपूतों को सुरक्षित रखते हुए आगे बढ़े।

प्रयागराज की गरिमा

प्रयागराज में चल रहे माघ मेले के दौरान मौनी अमावस्या के स्नान पर ज्योतिष मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को स्नान करने से रोकने पर जो बवाल मचा वह प्रयागराज की गरिमा के पूरी तरह से विपरीत है। प्रयागराज को लेकर सभी साधु-संतों और समाज में चिंतन भी है और गहरी चिंता भी, क्योंकि प्रयागराज की गरिमा को इस तरह की घटनाओं से ठेस पहुंची। आरोप लगाया जा रहा है कि पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के समर्थकों को पीटा। शंकराचार्य के रथ को रोका गया। शंकराचार्य ने इसे संतों का अपमान बताते हुए धरने पर बैठने का फैसला किया और इसे धर्म से जुड़ी लड़ाई यानि धर्मयुद्ध घोषित कर दिया। इसी बीच माघ मेला प्रशासन ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस भेजकर उनके शंकराचार्य होने पर सवाल उठा दिए। माघ मेला प्राधिकरण ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को भेजे नोटिस में पूछा है कि उन्होंने अपने नाम के आगे 'शंकराचार्य' क्यों लगाया है? मेला प्राधिकरण के नोटिस में सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन एक मामले का उल्लेख है। मेला प्रशासन का कहना है कि अभी तक इस मामले में कोई आदेश पारित नहीं हुआ है, ऐसे में कोई भी धर्माचार्य ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेक नहीं हो सकता। बावजूद इसके स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मेला क्षेत्र में लगे शिविर के बोर्ड पर अपने नाम के आगे 'शंकराचार्य' अंकित किया है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को उनके गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के निधन के बाद शंकराचार्य बनाया गया था। शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का 99 साल की आयु में लंबी बीमारी के बाद 11 सितंबर 2022 को निधन हो गया था। उन्होंने मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर के झोतेश्वर स्थित परमहंसी गंगा आश्रम में अंतिम सांस ली थी। उनको समाधि देने से पहले ही उनके उत्तराधिकारियों के नाम का ऐलान कर दिया गया था। स्वामी स्वरूपानंद की वसीयत के आधार पर उनके निजी सचिव और शिष्य सुबोद्धानंद महाराज ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को ज्योतिष पीठ बद्रीनाथ और स्वामी सदानंद को द्वारका शारदा पीठ की गद्दी सौंपी थी। यह घोषणा शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के पार्थिव शरीर के सामने की गई थी। सनातन परंपरा में इन मठों के प्रमुखों को ही शंकराचार्य कहा जाता है।

बाद में उन्हें शंकराचार्य बनाए जाने को लेकर विवाद हो गया, क्योंकि संन्यासी अखाड़े ने उन्हें शंकराचार्य मानने से इंकार कर दिया था, तब से मामला सुप्रीम कोर्ट में लम्बित है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने माघ मेला प्रशासन को नोटिस का जवाब देते हुए कहा है कि उनके शंकराचार्य होने को लेकर कोई विवाद नहीं है। उन्होंने अपने जवाब में पूरी कानूनी प्रक्रिया का ब्यौरा दिया है। उन्होंने अपने वकील के माध्यम से कानूनी नोटिस भेजा है कि अगर प्रशासन ने नोटिस को 24 घंटे के भीतर वापिस नहीं लिया तो वह कानूनी कार्यवाही करेंगे। इस पूरे विवाद को लेकर संत समाज बंट गया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके समर्थकों का कहना है कि सरकार, प्रशासन या भारत के राष्ट्रपति को भी यह अधिकार नहीं है कि वह तय करे कि कौन शंकराचार्य है। शंकराचार्य का निर्णय संत समाज और शंकराचार्य ही करेंगे। दूसरी तरफ उनको शंकराचार्य स्वाकीर नहीं करने वाले संत अपनी अलग भाषा बोल रहे हैं। सवाल यह भी है कि 2025 के महाकुम्भ में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य के रूप में मान्यता दी गई थी तब द्वारका पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती और श्रृंगेरी मठ के शंकराचार्य विधुशेखर भारती और ज्योतिष मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने एक साथ महाकुम्भ में स्नान किया था। माघ मेले के दौरान ऐसा क्या हुआ कि उनको नो?टस भेजकर विवाद को हवा दी गई है। विपक्ष कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भी इस पर सवाल खड़े किए हैं। विपक्षी नेताओं का कहना है कि गुरु-शिष्य की एक अखंड परम्परा होती है, जिसके तहत शंकराचार्य चुने जाते हैं लेकिन अब तो शंकराचार्य को कागज देकर यह पूछा जा रहा है कि आप हैं कौन? स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद कई बार अपनी मुखरता और बयानों के कारण विवादों में रहे हैं। वेदांत, पुराण और ज्योतिष शास्त्र में भी विशेषज्ञता प्राप्त एक विद्वान के रूप में प्रसिद्ध स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने राम मंदिर को अधूरा बताते हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने से इंकार कर दिया था। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाने के दौरान उन्होंने दर्जनों पुराने मंदिरों को तोड़े जाने का ि?वरोध किया था। उन्होंने गौमांस के निर्यात पर कई बार सरकार से तीखे सवाल भी किए थे।

अब ऐसा अचानक क्या हो गया जो उन्हें स्नान करने से भी रोक दिया गया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद भी सनातन का ध्वज लेकर हिन्दुत्व का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। वे गौरक्षा के लिए सक्रिय हैं। उनका दावा है कि 12 सितम्बर, 2022 को उनका पट्टाभिषेक हो चुका है इसि?लए कोर्ट का आदेश कोई मायने नहीं रखता। उनकी नियुक्ति वसीयत के मुताबिक हुई है। इस विवाद को लेकर अब जमकर सियासत हो रही है। प्रशासन को इस विवाद को सूझबूझ से सुलझाना चाहिए और उन्हें सम्मानपूर्वक स्नान की अनुमति देनी चाहिए। भारतीय संस्कृति में संतों के अपमान के लिए कोई जगह नहीं है। धार्मिक आस्था को आघात पहुंचाने की भी कोशिश नहीं होनी चाहिए। इससे धर्म की हानि होती है और लोगों की आस्था खंडित होती है। प्रशासन को शंकराचार्य विवाद में न पड़कर प्रयागराज की गरिमा बहाल करनी चाहिए।

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

जिला कांग्रेस प्रवक्ता सिद्धार्थ त्रिवेदी ने सांसद राहुल गांधी से की मुलाकात, जनसमस्याओं और सुझावों के साथ सौंपा ज्ञापन

रायबरेली- भुएमऊ गेस्ट हाउस, रायबरेली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली सांसद राहुल गांधी से जिला कांग्रेस प्रवक्ता सिद्धार्थ त्रिवेदी ने मुलाकात कर सरेनी विधानसभा सहित जनपद की विभिन्न ज्वलंत जनसमस्याओं को उनके समक्ष रखा। मुलाकात के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, रोजगार तथा किसानों से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सिद्धार्थ त्रिवेदी ने कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने के लिए संगठनात्मक ढांचे, बूथ सशक्तिकरण तथा जनसंपर्क अभियान से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव भी राहुल गांधी के समक्ष प्रस्तुत किए। राहुल गांधी ने जनपद की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि रायबरेली उनका संसदीय क्षेत्र है और यहां की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। उन्होंने प्रस्तुत सुझावों पर अप्रैल से अगस्त माह के बीच चरणबद्ध एवं ठोस कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। मुलाकात के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला और उम्मीद जताई गई कि आने वाले समय में जनपद की समस्याओं के समाधान को लेकर ठोस कदम उठाए जाएंगे।

बेटे को घर लाने पर युवक से मारपीट, आरोपी फरार

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के जबर सिंह का पुरवा मजरे धनाभाद गांव में बुधवार को चार लोगों ने युवक से मारपीट की। गांव निवासिनी गंगा दुलारी ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा संतलाल अपनी पत्नी को विदा कराने ससुराल गया था। पत्नी के न आने पर वह अपने पांच वर्षीय बेटे आर्यन को घर ले आया। इसी बात को लेकर बुधवार को संतलाल के साढ़ू अमरजीत निवासी सोमवंशी खेड़ा थाना सरेनी अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ घर पहुंचे। आरोप है कि घर में घुसकर संतलाल और उसके परिजनों से मारपीट की। सूचना से पहले ही आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में केस दर्ज किया गया।

जिले की पहली 'हाईटेक' ग्राम पंचायत बनी गोड़वा बरौकी ग्रामीणों को मिली 'सद्भाव लॉन' की सौगात

मलिहाबाद। ग्रामीण विकास की एक नई इबारत लिखते हुए माल विकास खंड की ग्राम पंचायत गोड़वा बरौकी ने जनपद में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया है। ग्राम प्रधान वीरेंद्र शुक्ला के प्रयासों से यहाँ जिले का पहला ऐसा पंचायत लॉन तैयार किया गया है, जहाँ ग्रामीण अब शादी-ब्याह और अन्य मांगलिक कार्यक्रम शहर जैसी सुविधाओं के साथ कर सकेंगे। गुरुवार को आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्य अतिथि एमएलसी रामचंद्र सिंह प्रधान ने फीता काटकर 'सद्भाव लॉन' का विधिवत शुभारंभ किया। उद्घाटन के पश्चात उन्होंने परिसर में पौधरोपण किया और नवनिर्मित भवन व लॉन का बारीकी से निरीक्षण किया। संबोधन के दौरान एमएलसी ने कहा ग्राम प्रधान की यह पहल जिले के लिए मिसाल है। सरकारी संसाधनों और दृढ़ इच्छाशक्ति से कैसे ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है, यह गोड़वा बरौकी ने कर दिखाया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर राजनीतिक हस्तियों तक का जमावड़ा रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आईएएस रमेश चंद्र वर्मा, बीडीओ सुनील कुमार सिंह, एडीओ पंचायत,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, पूर्व पार्षद एडवोकेट अनुराग पाण्डेय, युवा भाजपा नेता बीनू शुक्ला।प्रधान संघ अध्यक्ष संयोगिता सिंह, संतोष सिंह तिलन, रमेश सिंह चौहान।लॉन के उद्घाटन के साथ-साथ ग्राम प्रधान वीरेंद्र शुक्ला द्वारा समाज सेवा का संकल्प भी दिखाई दिया। कड़ाके की ठंड को देखते हुए इस अवसर पर 150 जरूरतमंद ग्रामीणों को कंबल वितरित किए गए। साथ ही, पूरे गांव और आगंतुकों के लिए एक विशाल भंडारे का आयोजन भी हुआ।ग्राम प्रधान वीरेंद्र शुक्ला ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य ग्रामीणों को वह हर सुविधा उपलब्ध कराना है जिसके लिए उन्हें शहर की ओर भागना पड़ता था। उन्होंने जनता को विश्वास दिलाया कि वह भविष्य में भी इसी तरह पंचायत की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे।

सूचना

मै अजय कुमार शुक्ला पुत्र श्री ज्ञान नरायन शुक्ला ग्रा0 वसन्तपुर तह0 तुलसीपुर जनपद बलरामपुर का हूँ। मेरी पुत्री रश्मि शुक्ला के जन्म प्रमाण पत्र व अंक पत्र में जन्म तिथि 23-09-2011 अंकित है। परन्तु आधार कार्ड में त्रुटी वस 27-09-2010 अंकित हो गया है जो सर्वथा गलत है। जन्म प्रमाण पत्र व अंक पत्र में अंकित जन्म तिथि 23-09-2011 ही सत्य माना जाये

अजय कुमार शुक्ला
पुत्र श्री ज्ञाननरायन शुक्ला
ग्राम वसन्तपुर तहसील तुलसीपुर
जनपद - बलरामपुर

10 मिनट के लिए अंधेरे में डूबेगा सीतापुर बजेंगे सायरन, ब्लैक आउट मॉक ड्रिल की तैयारी, हवाई हमले में राहत पहुंचाने का होगा अभ्यास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जन्मदिवस पर जिले में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। एडीएम नीतीश कुमार सिंह ने हिंदी दैनिक राष्ट्रीय को जानकारी देते हुए बताया कि 23 जनवरी 2026 को प्रदेश के समस्त जनपदों में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल आयोजित किए जाने के आदेश दिए गए हैं एडीएम ने बताया कि ब्लैक आउट का आशय हवाई हमले या किसी आपात स्थिति के दौरान क्षेत्र के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, आवासों, सड़कों तथा आम जनता को सुरक्षित रखने के लिए विद्युत आपूर्ति बंद कर प्रकाश प्रतिबंध लागू करना होता है। इसी क्रम में 23 जनवरी 2026 को सायं 6:00 बजे से 6:10 बजे तक राजकीय इंटर कॉलेज परिसर, एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में ब्लैक आउट एक्सरसाइज आयोजित की जाएगी। इस दौरान आपातकालीन बचाव से संबंधित विधियों का अभ्यास और प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने आसपास के समस्त प्रतिष्ठानों, चेंबरों, कार्यालयों और क्षेत्र की जनता से अपील की है कि निर्धारित समय के दौरान अपने घरों और प्रतिष्ठानों की सभी लाइटें बंद रखें, ताकि बाहर किसी प्रकार का प्रकाश दिखाई न दे। साथ ही लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने घरों में ही रहें, बाहर माचिस, लाइट या टार्च का प्रयोग न करें और सावधानीपूर्वक चलें, भागदौड़ न करें। इस दौरान धूम्रपान करने से भी मना किया गया है। एडीएम ने स्पष्ट किया कि यह ब्लैक आउट पूरी तरह एक मॉक ड्रिल है, जिसे सिविल डिफेंस के वार्डनों की सहायता से लागू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जनमानस को भविष्य में हवाई हमले, युद्ध या अन्य विषम परिस्थितियों में होने वाले ब्लैक आउट के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस अभ्यास में सहयोग करें और इसे गंभीरता से लें!!

बेटे को घर लाने पर युवक से मारपीट, आरोपी फरार

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के जबर सिंह का पुरवा मजरे धनाभाद गांव में बुधवार को चार लोगों ने युवक से मारपीट की। गांव निवासिनी गंगा दुलारी ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा संतलाल अपनी पत्नी को विदा कराने ससुराल गया था। पत्नी के न आने पर वह अपने पांच वर्षीय बेटे आर्यन को घर ले आया। इसी बात को लेकर बुधवार को संतलाल के साढ़ू अमरजीत निवासी सोमवंशी खेड़ा थाना सरेनी अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ घर पहुंचे। आरोप है कि घर में घुसकर संतलाल और उसके परिजनों से मारपीट की। सूचना से पहले ही आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में केस दर्ज किया गया।

स्नेह और सम्मान का संगमः निगोहाँ प्रेस क्लब के संरक्षक मुकेश द्विवेदी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ संपन्न

● ......पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों के प्रेरणास्रोत बने मुकेश द्विवेदी, गणमान्य व्यक्तियों ने दी दीर्घायु की शुभकामनाएँ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के निगोहाँ क्षेत्र में गुरुवार को एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जहाँ निगोहाँ प्रेस क्लब के संरक्षक और वरिष्ठ पत्रकार मुकेश द्विवेदी का जन्मदिन अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। स्थानीय एक निजी रेस्टोरेंट में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में न केवल पत्रकारिता जगत के दिग्गजों का जमावड़ा रहा, बल्कि क्षेत्र के तमाम गणमान्य व्यक्तियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की शुरुआत मुकेश द्विवेदी के माल्यार्पण और स्वागत से हुई, जिसके बाद उपस्थित लोगों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके प्रति अपना आदर व्यक्त किया। जैसे ही मुकेश द्विवेदी ने केक काटकर अपना जन्मदिन साझा किया, पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट और शुभकामनाओं से गूँज उठा। इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष विमल सिंह ने मुकेश द्विवेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें पत्रकारिता जगत का एक 'मजबूत स्तंभ' बताया। उन्होंने कहा कि मुकेश द्विवेदी का मार्गदर्शन न केवल नए पत्रकारों के लिए संजीवनी की तरह है, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर उनकी पकड़ और संवेदनशीलता समाज को नई दिशा देने का कार्य करती है। उपस्थित वक्ताओं ने एक सुर में उनके दीर्घायु होने, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। इस दौरान पूरे समारोह में आपसी सौहार्द और भाईचारे की अनूठी झलक देखने को मिली, जहाँ सभी ने पत्रकारिता के मूल्यों को और अधिक सशक्त करने का संकल्प लिया।

पुरहिया गांव में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर भव्य समारोहः जरूरतमंदों को मिले कंबल, सेवादारों का हुआ सम्मान

● ....मुख्य अतिथि एसीपी विकास पांडे ने सराहा सेवा भाव; बोले– 'जनसहभागिता और संवाद से ही संभव है संवेदनशील पुलिसिंग'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दो वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने के उपलक्ष्य में निगोहां थाना क्षेत्र के पुरहिया और नटौली गांव में सेवा और सामाजिक समरसता की एक अनूठी मिसाल देखने को मिली। बुधवार को इस ऐतिहासिक अवसर पर एक विशेष सम्मान समारोह और कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में न केवल कड़ाके की ठंड को देखते हुए असहाय व जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाई गई, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में निस्वार्थ सेवा देने वाले गणमान्य व्यक्तियों को भी सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसीपी मोहनलालगंज, विकास पांडे रहे। समारोह की शुरुआत आयोजक पूर्व सैनिक नीरज दीक्षित और पंकज दीक्षित (अरविंद) द्वारा मुख्य अतिथि को शॉल ओढ़ाकर और प्रभु श्रीराम लला की मनमोहक प्रतिमा भेंट कर उनके भव्य स्वागत के साथ हुई। इस दौरान पूरा माहौल भक्तिमय और सेवा भाव से सराबोर रहा। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए एसीपी विकास पांडे ने पुलिस और जनता के बीच मजबूत संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस का कार्य केवल अपराधियों पर लगाम लगाना ही नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के साथ जुड़ाव महसूस करना और उनकी समस्याओं में सहभागी बनना भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब आम नागरिक पुलिस के साथ सहयोग और संवाद बढ़ाता है, तभी एक सुरक्षित और संवेदनशील पुलिसिंग का ढांचा तैयार होता है। इस गरिमामयी अवसर पर समाज के प्रति योगदान देने के लिए निगोहां थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी, नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी सहित प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया। आयोजक नीरज दीक्षित ने भावुक होते हुए कहा कि श्रीराम मंदिर की वर्षगांठ मनाना केवल उत्सव नहीं, बल्कि सेवा का संकल्प है। वहीं, पंकज दीक्षित ने भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहित कार्य जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का समापन सामाजिक एकता और श्रीराम के आदर्शों पर चलने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। इस मौके पर निगोहा थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी, नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी, विकास दीक्षित, निगोहा प्रेस क्लब के संरक्षक मुकेश द्विवेदी, अध्यक्ष विमल सिंह, पूर्व प्रधान लल्लन शुक्ला, अखिलेश द्विवेदी, आशीष तिवारी, प्रीति बाजपेई, प्रगति शुक्ला , मनोज यादव, मोइन खान, जय शुक्ला, प्रशांत त्रिवेदी, विजय जायसवाल, योगेंद्र तिवारी, अरुण सिंह, हिमांशु रावत, शैलेंद्र शुक्ला, अरुण सिंह,सुनील त्रिवेदी, दिलीप कुमार मिश्रा, विनीत मिश्रा, रामू जायसवाल, श्यामू जायसवाल, आरिफ मंसूरी, रमाकांत मिश्रा, नितिन कनौजिया, आदित्य दीक्षित एवं राघव सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों को भी सम्मानित किया गया।

दंगल के चौथे दिन बाबा रमदास पहलवान व सुरेंद्र पहलवान के बीच हुआ रोमांचक मुकाबला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुरः हजरत गुलजार शाह मेला मैदान में आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती दंगल के चौथे दिन देश के नामी पहलवानों ने अपने दांव-पेंच से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दंगल के चौथे दिन की पहली कुश्ती में अयोध्या के बाबा रामदास पहलवान और मध्य प्रदेश के सुरेन्द्र पहलवान के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें बाबा रामदास ने सुरेन्द्र पहलवान को चित कर जीत दर्ज की। दूसरी कुश्ती मेरठ के प्रमोद पहलवान और पंजाब के शेरा पहलवान के बीच हुई, जिसमें प्रमोद पहलवान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। तीसरी कुश्ती मेरठ के आदेश पहलवान और वाराणसी के चन्दन पहलवान के बीच हुई, जिसमें आदेश ने अपने प्रतिद्वंदी को पराजित किया। चौथी कुश्ती राजस्थान के शैतान सिंह पहलवान और मेरठ के राहुल पहलवान के बीच हुई, जिसमें शैतान सिंह ने विजयी हासिल की 7 पांचवीं कुश्ती कश्मीर के रिजवान गनी पहलवान और राजस्थान के मेंटल पहलवान के बीच हुई, जिसमें रिजवान गनी विजयी रहे। छठी कुश्ती मध्य प्रदेश के सुरेन्द्र पहलवान और नेपाल के हरिहर पहलवान के मध्य हुई, जिसमें सुरेन्द्र पहलवान ने जीत दर्ज की। दंगल में रेफरी की भूमिका शौकत पहलवान और सुल्तान पहलवान ने निभाई। इस अवसर पर मेला अध्यक्ष मसर्रत अली, सेक्रेटरी सैयद हुसैन कादरी, कार्यवाहक अध्यक्ष महबूब अली, नफीस अहमद, रेहान कादरी, राजकुमार रस्तोगी, बदर हयात खान, अन्नू, पप्पू सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जल भराव की समस्या से राहगीरी परेशान जिम्मेदार मौन

डलमऊ रायबरेली। ब्लॉक के दरिगापुर गांव में बने रेलवे क्रॉसिंग अंडरग्राउंड पुल में निरंतर जल भराव की समस्या बनी रहती है इससे सैकड़ो ग्रामीण परेशान रहते हैं स्कूली आने जाने वाले बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वहीं पर अगर बाइक से कोई आता जाता है उसको भी काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है किसानों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है लोगों का कहना है कि इस जल भराव से हम लोग सालों से जूझ रहे इसकी सूचना हमने हर कर्मचारी को दे दिया है लेकिन कोई भी प्रशासनिक अधिकारी इस पर ध्यान नहीं देता है।

रंजिश में युवक पर धारदार हथियार से हमला

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के चिक मंडी मोहल्ला निवासी रिजवान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अलीनगर मोहल्ला के रहने वाले दो युवक नशे की हालत में उसके पास पहुंचे और विवाद करने लगे। देखते ही देखते आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। इससे उसके गले में गंभीर चोटें आई। आसपास के लोगों के पहुंचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मजरा गजनीपुर में विकास ठप, खडंजा बना कीचड़ का नाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर ग्राम पंचायत महाराज नगर के मजरा गजनीपुर गांव में राम सागर के घर से खेलावन व रमेश पाल के घर तक 5 महीने पहले बना खडंजा बदहाल पड़ा है। हालत इतनी खराब है कि रास्ता अब खडंजा नहीं, कीचड़ और गंदे पानी का नाला बन चुका है। इस रास्ते पर ग्रामीण सत्यराम पुत्र प्रताप व कुलदीप पुत्र श्रवण, प्रेम पुत्र रमेश पाल खेत से आ रहे थे इसी रास्ते पर गिर कर चोटिल हो गये हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के बाद से रास्ते में पानी भराव, फिसलन और गंदगी ने चलना दूभर कर दिया है। बच्चे स्कूल जाने से डरते हैं, बुजुर्गों का निकलना मुश्किल है और मरीजों को ले जाना खतरे से खाली नहीं। ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की, लेकिन आज तक न मरम्मत हुई, न निकासी। यह साफ दिखाता है कि जमीनी स्तर पर विकास के दावे खोखले हैं। इसको लेकर ग्रामीणों ने मांग की है कि तत्काल खडंजा मरम्मत व जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर राम खेलावन, रामचन्द्र, रमेश पाल, प्रेम, कुलदीप, रामसागर, सुरेश, रामू , देश राज, सुनील,राजेश्वरी, सुनीता आदि लोग उपस्थित रहे।

बी.एल. वर्मा छात्रवृत्ति योजना 2026 : आर्थिक रूप से वंचित मेधावी विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का सशक्त सेतु

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिधौली (सीतापुर)। आर्थिक रूप से कमजोर परंतु प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्नातक स्तर की उच्च शिक्षा हेतु सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से बी.एल. वर्मा छात्रवृत्ति योजना 2026 का विधिवत विमोचन श्री गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज, सिधौली में सम्पन्न हुआ। छात्रवृत्ति का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. के.के. शुक्ल द्वारा कर-कमलों से किया गया। यह छात्रवृत्ति योजना लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट डीन डॉ. सुधाकर वर्मा के अकादमिक मार्गदर्शन एवं परामर्श में संचालित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि डॉ. वर्मा पिछले दो दशकों से सीतापुर जनपद के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा की ओर प्रेरित करने तथा उनके लिए अवसर उपलब्ध कराने हेतु उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। यह योजना उनके पिता स्वर्गीय ब्रजमोहन लाल वर्मा की पावन स्मृति में प्रारम्भ की गई है। छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत जनपद सीतापुर के 2026 में इंटरमीडिएट उत्तीर्ण करने वाले इच्छुक एवं योग्य विद्यार्थियों को स्नातक स्तर की पढ़ाई हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा। योजना के समन्वयक राहुल वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि चयन प्रक्रिया हेतु मेरिट टेस्ट आयोजित किया जाएगा। इस परीक्षा में सफल प्रतिभागियों को वार्षिक आधार पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी ताकि वे बिना आर्थिक दवाब के अपनी स्नातक शिक्षा पूर्ण कर सकें। योजना की विशेषता यह है कि चयनित विद्यार्थियों को लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध किसी भी महाविद्यालय में किसी भी संकाय (Arts/Science/Commerce आदि) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रम को निःशुल्क अथवा पूर्णतः वित्तीय सहयोग के साथ पूरा करने का अवसर प्राप्त होगा। इस व्यवस्था का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक प्रतिकूलता किसी भी योग्य विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति में व्यवधान न बनने पाए।

समन्वयक राहुल वर्मा ने स्पष्ट किया कि —'हमारा संकल्प है कि आर्थिक संकट के कारण जनपद सीतापुर का कोई भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित न हो। यह छात्रवृत्ति ऐसे विद्यार्थियों के लिए सेतु का कार्य करेगी जो संसाधनों के अभाव के बावजूद अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की इच्छाशक्ति रखते हैं।

'बी.एल. वर्मा छात्रवृत्ति योजना निस्संदेह जनपद के मेधावी विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के अवसरों का विस्तार करते हुए सामाजिक-सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। यह पहल उन परिवारों में नए विश्वास का संचार करेगी जहाँ आर्थिक कठिनाइयों के कारण शिक्षा प्रायः बाधित हो जाती है। इस योजना के माध्यम से न केवल विद्यार्थियों के शैक्षणिक सपनों को गति मिलेगी, बल्कि भविष्य में जनपद की बौद्धिक पूँजी भी सुदृढ़ होगी।

युवाओं ने कारों से की स्टंटबाजी इंस्टाग्राम रील बनाने को खिड़कियों से लटके, पुलिस ने वाहन नंबर से शुरू की छानबीन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर के लहरपुर कोतवाली क्षेत्र में मुख्य सड़क पर कार सवार युवकों द्वारा की गई खतरनाक स्टंटबाजी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि तीन कारों को सड़क पर तेज रफ्तार में दौड़ाते हुए युवक कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं। इतना ही नहीं, कारों की खिड़कियों से बाहर लटककर स्टंट करते हुए युवकों ने इसका वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर रील के रूप में अपलोड किया है। बताया जा रहा है कि यह रील साहिल खान और कलीम खान नामक दो युवकों द्वारा सोशल मीडिया पर डाली गई है। वायरल वीडियो में एक स्विफ्ट कार की स्पष्ट पहचान हुई है, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर क्क 32 छ्क्त 9652 बताया जा रहा है वीडियो रात के अंधेरे में बनाया गया है, जिससे सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की जान को गंभीर खतरा पैदा हो सकता था स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की स्टंटबाजी से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मुख्य सड़क पर इस प्रकार लापरवाही से वाहन चलाना न केवल मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि यह सार्वजनिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती है। वहीं वायरल वीडियो सामने आने के बाद पुलिस भी हरकत में आ गई है। लहरपुर कोतवाली पुलिस द्वारा वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि वाहन नंबर के आधार पर कार मालिक और स्टंट करने वाले युवकों की पहचान की जा रही है जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी!!

सब्जी विक्रेता से मारपीट, केस दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के नई बाजार स्थित अस्पताल मोड़ के पास एक युवक ने सब्जी विक्रेता से मारपीट की। पीड़ित अमन कुमार निवासी रंणगांव ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि वह अस्पताल मोड़ के पास सब्जी की दुकान लगाए हुए था। बुधवार रात करीब साढ़े आठ बजे सूदन खेड़ा मोहल्ला निवासी बबलू ड्राइवर वहां पहुंचा और गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

भाजपा नेता की पत्नी व ब्लाक प्रमुख के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम का मुकदमा दर्ज

● जांच में खुलेंगी घोटाले की कई अहम परते

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। एक समय समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और सपा प्रमुख के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद करने वाले विधायक रामपाल यादव के दाहिना हाथ कहे जाने वाले और वर्तमान में भाजपा के पूर्व सांसद राजेश वर्मा के बगलगीर समझे जाने वाले वर्तमान मे भाजपा के जिला उपाध्यक्ष नीरज वर्मा झल्लर वैसे तो खाद्य विभाग के पुराने खिलाड़ी माने जाते रहे है जिन्होंने सपा और भाजपा दोनों ही सरकारों में पैसे और राजनीति के दम पर अपना रसूक बनाए रखा है लेकिन बीती 19 जनवरी को शहर के मोहल्ला शेख सराय के कोटेदार द्वारा कम गल्ला दिए जाने की शिकायत पर आखिरकार जिला अधिकारी राजा गणपति आर0 के अनुमोदन पर आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा-03, धारा-07, और बी0 एन0 एस0 की धारा-62 और धारा-303(2) के तहत मुकदमा अपराध संख्या-024/2026 पंजीकृत हो ही गया। उल्लेखनीय है कि कल्पना वर्मा वर्तमान में बेहटा ब्लॉक की ब्लॉक प्रमुख है और इन्ही की फर्म मेसर्स किसान इंटर प्राइजेज के पास सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी का परिवहन ठेका था जिसके वाहन संख्या-यू0 पी0 34 टी0 9505 के द्वारा जारी चालान संख्या-4052(क0 न0 डी0 जे0-1541125260110) दिनांक-19-01-2026 के द्वारा श्रीमती सहरिश फातिमा उचित दर विक्रेता के यहां फरवरी 2026 में वितरण हेतु कुल 120 बोरी चावल की उतारी जानी थी किंतु ड्राइवर नौशाद एवं पल्लेदार द्वारा महज 99 बोरी ही पहुंचाई गई और शेष 21 चावल की बोरी वाहन में ही छुपा ली गई। उचित दर विक्रेता द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत जारी अंत्योदय अन्न योजना एवं पात्र गृहस्थी योजना के चावल की चोरी के संबंध में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया जिसके बाद विपणन अधिकारी शांतनु कुमार की अगुवाई में जिलाधिकारी अनुमोदन पर परिवहन ठेकेदार श्री मती कल्पना वर्मा ड्राइवर नौशाद व लेबर के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में शहर कोतवाली में मामला दर्ज कर लिया गया जिसके बाद से राजनीतिक गलियारों में अटकलो व चर्चाओं का बाजार गर्म है लेकिन सूत्रों की माने तो मामले की विवेचना में घोटाले की कई और परते सामने आ सकती हैं।

संक्षिप्त खबरें

सीएचसी राठ में आयोजित हुआ मानसिक स्वास्थ्य शिविर

हमीरपुर :- राठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार के दिन मानसिक स्वास्थ्य जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। सीएचसी राठ के अधीक्षक एवं अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद कुमार यादव ने बताया कि शिविर के दौरान कुल 156 मरीजों की मानसिक स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें से 39 मरीजों को उपचार प्रदान किया गया तथा आवश्यक दवाइयाँ वितरित की गई। यह शिविर डॉ. नीता, मनोवैज्ञानिक, हमीरपुर द्वारा संचालित किया गया। शिविर में अवसाद (डिप्रेशन), चिंता (एंग्जायटी), तनाव, बाइपोलर डिसऑर्डर, व्यक्तित्व एवं व्यवहार संबंधी विकारों से पीड़ित मरीजों की जांच की गई। डॉ. अरविंद कुमार यादव ने बताया कि सरकार द्वारा आयोजित मानसिक स्वास्थ्य शिविरों से समाज में जागरूकता बढ़ रही है तथा मरीजों को समय पर उचित उपचार उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने आगे बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), हमीरपुर द्वारा विशेष रुचि लेते हुए जनपद के सभी ब्लॉकों में नियमित एवं समयबद्ध रूप से मानसिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कराया जा रहा है। इस शिविर को आम जनता से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई तथा यह मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने में उपयोगी सिद्ध हुआ।

नदी जीर्णोद्धार की आड़ में हो रहा अवैध खनन, वीडियो वायरल

हमीरपुर :- बुधवार से सोशल मीडिया में एक भृष्टाचार को उजागर करता वीडियो जमकर वायरल हो रहा है ,जिसमे एक व्यक्ति नदी किनारे खड़ा ट्रैक्टर में बालू भरवाता दिखाई दे रहा है वायरल वीडियो में दिखने वाला व्यक्ति तहमद और कुर्ता पहने दाढी रखे नजर आ रहा है। वहीं वीडियो वायरल करने वालों का कहना है कि वीडियो में दिखने वाला व्यक्ति मदारपुर ग्राम प्रधान अब्दुल्ला मौलाना है। और वह स्वयं चंद्रावल नदी में जीर्णोद्धार के नाम पर बजरा निकाल कर बिकवा रहा है।हालांकि स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र द्वारा वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं की जाती है। फिर भी वीडियो सोशल मीडिया में सुर्खिया बटोर रहा है और लोग वीडियो को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। वहीं इस सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी कर्णवीर सिंह ने बताया कि, मामला संज्ञान में आया है उन्होंने खनिज विभाग को लिख दिया है खनिज विभाग द्वारा जांचकर कार्यवाही की जाएगी।

अब मुंबई-वाराणसी नहीं, प्रयागराज में ही टाटा स्तर का कैंसर इलाज

ब्यूरो प्रयागराज। वर्षों से कैंसर पीड़ितों की मजबूरी रही है–इलाज के लिए मुंबई या वाराणसी के चक्कर, भारी खर्च और समय की मार। लेकिन अब यह तस्वीर बदलने वाली है। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय एसआरएन में जल्द ही टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल जैसी उन्नत कैंसर जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने की ठोस पहल शुरू हो चुकी है। इस बदलाव की नींव 22 से 24 जनवरी के बीच एमएलएन मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी विभाग में पड़ने जा रही है, जहां एक राष्ट्रीय संगोष्ठी और कार्यशाला आयोजित होगी। यह आयोजन सिर्फ औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रयागराज को कैंसर उपचार के मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में निर्णायक कदम माना जा रहा है।प्रेस क्लब में जानकारी देते हुए, पैथोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कचनार वर्मा ने बताया कि यह कार्यशाला टाटा कैंसर संस्थान, मुंबई के सहयोग से आयोजित की जा रही है।इसमें टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के मुंबई, दिल्ली और वाराणसी केंद्रों से जुड़े करीब 20 वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ सीधे तौर पर शामिल होंगे। इनके साथ एम्स दिल्ली, पटना और देश के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के अनुभवी विशेषज्ञ भी अपने अनुभव साझा करेंगे। कार्यशाला का फोकस केवल इलाज नहीं, बल्कि समय रहते कैंसर की सटीक पहचान और नई उपचार तकनीकों पर रहेगा। पहले दिन क्लीनिकल- पैथोलॉजी मीटिंग और ट्यूमर बोर्ड का आयोजन होगा, जहां जटिल मामलों पर गहन चर्चा की जाएगी। इसमें पैथोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट, फिजीशियन, सर्जन और प्रयोगशालाओं में कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञ एक ही मंच पर बैठकर उपचार की दिशा तय करेंगे। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि इस पहल से एसआरएन अस्पताल में कैंसर के मरीजों को न सिर्फ समय पर जांच और सलाह मिलेगी, बल्कि भविष्य में उन्हें बड़े शहरों की ओर पलायन भी नहीं करना पड़ेगा। प्रयागराज के लिए यह संगोष्ठी सिर्फ तीन दिन का आयोजन नहीं, बल्कि कैंसर के खिलाफ एक लंबी और निर्णायक लड़ाई की शुरुआत मानी जा रही है।

बजट सत्र से पहले केंद्र सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, 27 जनवरी को होगी मीटिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केंद्र सरकार ने बजट सत्र से पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई है. यह बैठक विधायी कार्यों पर चर्चा के लिए होगी. संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा, जिसमें राष्ट्रपति का अभिभाषण और आर्थिक सर्वेक्षण पेश होगा। 1 फरवरी को केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा। केंद्र सरकार ने बजट सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई है. ये बैठक 27 जनवरी सुबह 11 बजे होगी. इसमें विधायी कार्यों और संसद में आने वाले कुछ अन्य विषयों को लेकर चर्चा होगी. संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा. पहले दिन राष्ट्रपति का दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) का अभिभाषण होगा। आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश किया जाएगा। इसके बाद केंद्रीय बजट एक फरवरी (रविवार) को पेश किया जाएगा. सत्र का पहला हिस्सा 28 जनवरी से शुरू होकर 13 फरवरी तक चलेगा. पहले हिस्से में दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी. पीएम मोदी दोनों सदनों में चर्चा का जवाब देंगे. सत्र का दूसरा हिस्सा नौ मार्च से शुरू होगा और दो अप्रैल तक चलेगा।

बिजली वितरण कंपनियों को मिल सकती है बड़ी राहत

उधर, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बीते दिन कहा था कि बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के घाटे को कम करने के लिए लागत-अनुरूप शुल्क की अवधारणा को विद्युत संशोधन विधेयक में शामिल किया गया है. इसे बजट सत्र में पेश किया जा सकता है. केंद्रीय मंत्री ने ये बातअखिल भारतीय बिजली वितरण कंपनियों के संघ (एआईडीए) के पहले वार्षिक सम्मेलन ईडीआईसीओएन 2026 को संबोधित करते हुए कही थी।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने और क्या कहा?

उन्होंने कहा था, इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई वैल्यू चेन प्रोडक्शन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन में बिजली वितरण कंपनियां अहम कड़ी हैं.बिजली वितरण कंपनियां उपभोक्ताओं को बी2सी (व्यवसाय-से-उपभोक्ता) सेवाएं प्रदान करती हैं. सेवा गुणवत्ता और अन्य मुद्दों पर ग्राहकों की शिकायतें सबसे पहले इन्हीं के पास आती हैं।

किशोरी को अगुवा कर ले जाने वाला हिस्ट्रीसीटर पकड़ा गया

हमीरपुर :- बीते मंगलवार के दिन जनपद के बिवांर थाना क्षेत्र के महेरा गांव से किशोरी की अगुवा करके ले जाने वाले हिस्ट्रीसीटर आरोपी रिंकू उर्फ डूंगर सिंह को स्थानीय पुलिस ने किशोरी समेत पकड़ लिया।थाना प्रभारी नन्दराम प्रजापति ने बताया कि घटना के बाद आरोपी की पकड़ना एक बड़ी चुनौती बन गई थी ,जिसके लिए तीन टीमें लगाई गईं थीं।बताया कि इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसिस और मुखबिर की सूचना पर आरोपी को जल्ला से महेरा जाने वाले रास्ते पर पुलिया के पास से बृहस्पतिवार सुबह गिरफ्तार किया गया।आरोपी से एक 315 बिर तमंचा एक जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की गई है।वहीं सूत्रों की मानें तो आरोपी और किशोरी दोनों सीमावर्ती जनपद से बरामद किया गए हैं।थाना प्रभारी के अनुसार आरोपी युवक को जेल भेजा गया और किशोरी को मेडिकल चेकअप के लिए भेज गया है।

सियार के हमले में वृद्धा गंभीर, वन विभाग कर रहा पकड़ने की जद्दोजहद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- सरीला विकासखण्ड क्षेत्र के खेड़ाशिलजीत गांव में बुधवार को एक पागल सियार ने खेत में काम कर रही बुजुर्ग महिला पर अचानक हमला कर दिया। घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। खेड़ाशिलजीत निवासी कुपजा रानी उम्र 65 अपने निजी ट्यूबवेल पर जानवरों के लिए हरियाली काट रही थीं। इसी दौरान जंगल की ओर से आए एक सियार ने उन पर हमला बोल दिया। सियार ने महिला के दोनों हाथों में बुरी तरह काट लिया, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ीं। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े। लोगों ने शोर मचाकर किसी तरह सियार को भगाया और घायल महिला को बचाया। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। घायल महिला के भतीजे कल्लू श्रीवास ने बताया कि सियार पागल प्रतीत हो रहा था और बेहद आक्रामक था। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से सियार को पकड़ने की मांग की है। घायल कुपजा रानी को तत्काल इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। वहीं इस संबंध में जब डिप्टी रेन्जर सरीला सुरजीत से बात की तो उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिली है, सियार को पकड़ने के लिए मौके पर टीम भेजी गई है, जाल लगाया जा रहा है।

चादरपोशी में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

● भजनों के कार्यक्रम में दिखेगी हिन्दू मुस्लिम एकता की मिशाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- क्षेत्र के मशहूर सूफी संत हजरत पीर सुर्खरू बाबा का सालाना उर्स बड़ी धूमधाम अकीदत और मोहब्बत के साथ मनाया जा रहा है, जिसमे बुधवार रात नातिया मुशायरे का आयोजन किया गया जबकि गुरुवार सुबह कुरान ख्वानी और चादर पोशी के साथ लंगर का आयोजन किया गया जबकि देर रात तक मजार पर कव्वालियों की महफिल चलती रही।हजरत पीर बाबा के दरबार की मान्यता है कि किसी के भी शरीर में कीडे लग जाएं और सारे डाक्टर जहाँ हाथ खडे कर दें वहीं इनके आस्ताने की खाक यानी मिट्टी लगाने मात्र से कीडे निकल जाते हैं।इनकी तारीफ में कहा जाता है, 'न हो आराम जिस बीमार को सारे जमाने से, उठा ले जाए थोड़ी खाक इनके आस्ताने से '। कस्बे के मोहल्ला हैदरिया स्थित क्षेत्र के विख्यात सूफी संत हजरत पीर सुर्खरू बाबा का सालाना उर्स बुधवार से शुरू हो गया जिसमें बुधवार को बाद नमाज इशा मजार में शानदार नातिया मुशायरा का आयोजन किया गया जिसमे क्षेत्रीय और बाहरी शायरों ने शानदार कलाम पेश किये। वहीं गुरुवार को सुबह बाद नमाज फजिर मजार पर कुरान ख्वानी, दोपहर बाद नमाज जोहर फातिहा व लंगर और बाद नमाज असर चादर पोशी हुई, चादरपोशी और लंगर में अकीदत मंदों का सैलाब उमड़ पड़ा। जबकि बाद नमाज इशा शानदार कव्वालियों का प्रोग्राम हुआ जो देररात तक चलता रहा जिसमे क्षेत्रीय और बाहरी कव्वालों ने अपनी कव्वालियां पेश की। वहीं आज शुक्रवार सुबह कुल की फातिहा और बाद नमाज जुमा भजनो के कार्यक्रम के साथ तीन दिवसीय उर्स का समापन होगा।

माघ मेले में शंकराचार्य के अपमान की निंदा उमाशंकर तिवारी, दोषी के कारवाई अविलंब हो

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- शंकर राचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को मौनी अमावस्या के दिन संगम तट पर स्नान से रोके जाने के मामले में भारतीय महासंघ पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमा शंकर तिवारी ने रोष जताया है। उसने कहा कि यह घटना न केवल धर्म और आस्था के दृष्टिकोण से अस्वीकार्य है, बल्कि प्रशासन की लापरवाही को भी उजागर करती है। उन्होंने योगी प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस घटना की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। आगे उमाशंकर तिवारी ने कहा कि ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य हिंदू धर्म के सर्वोच्च संतों में से एक है और ऐसे में उनका अपमान अत्यंत दुखद और दुर्भाग्य पूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी स्वयं को हिंदुओं का संरक्षक बताती है जबकि उनके सर्वोच्च संतों का सार्वजनिक अपमान किया जा रहा है। ए अपमान सनातन धर्म का अपमान है, उत्तर प्रदेश जैसे धार्मिक राज्य जहां भगवान राम और कृष्ण जन्म भूमि और गंगा जैसे पवित्र नदी के तट पर ऐसा घोर अत्याचार घोर आन्या है।तीवारी ने कहा कि आज पुरा देश आदरणीय शांकरा चार्य जी के साथ खड़ा है, यह भूल नहीं एक सोची समझी रणनीति के तहत सनातन के खिलाफ साज़िश है। उन्होंने घटना में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उमाशंकर तिवारी कह की अगर अविलंब दोषी संलिप्त अधिकारी के खिलाफ कारवाई नहीं करती है तो पुरे उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के खिलाफ अनशन कर विरोध प्रकट किया जायेगा।

रात के अंधेरे में ढहा दी पानी की टंकी

हमीरपुर :- सुमेरपुर विकासखण्ड में इंगोहटा गांव के बस स्टैंड में ग्राम पंचायत द्वारा बनाई गई सार्वजनिक प्याऊ पानी की टंकी को अराजक तत्वों ने जेसीबी मशीन से ढहा दी ,जिससे लोगों में आक्रोश है। इंगोहटा के बस स्टैंड पर यात्रियों और व्यापारियों की प्यास बुझाने के लिए पूर्व प्रधान द्वारा निर्मित पानी की टंकी को अज्ञात लोगों ने रातों-रात मलबे में तब्दील कर दिया। एक लाख रुपये से अधिक की लागत से बनी यह टंकी ग्रामीणों के लिए लाभकारी थी। लेकिन अराजकतत्वों ने बिना किसी डर के जेसीबी मशीन चलाकर शासन के धन को मिट्टी में मिला दिया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गुरुप्रताप सिंह परिहार ने पुलिस को तहरीर देकर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भानु प्रताप सिंह ने गुरुवार के दिन कुरारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरिक्षण किया ,जहां उन्होंने मरीजों से मिलकर उनका हाल जाना और अन्य को जरूरी दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में पहुंचकर ओपीडी, ऑपरेशन थियेटर, फार्मेसी, आयुष्मान भारत डेस्क, इमरजेंसी वार्ड सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही भर्ती मरीजों से मिलकर उनका हालचाल जाना और मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई की स्थिति का भी निरीक्षण किया और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जन औषधि केंद्र का निरीक्षण करते हुए, दवाओं की उपलब्धता, रख-रखाव तथा पोर्टल के अनुसार कार्य किए जाने की स्थिति की जांच की गई। उन्होंने यह भी देखा कि मरीजों को बाहर की दवाएं तो नहीं लिखी जा रही हैं। डॉ. भानु प्रताप सिंह ने बताया कि निरीक्षण के समय सीएचसी में चार मरीज भर्ती मिले, जिनसे उपचार और सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान सीएचसी प्रभारी सुनील कुमार जायसवाल, फार्मासिस्ट योगेंद्र यादव, सुधीर साहू, ग्यास बेग मिर्जा, जितेंद्र कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बसंत पंचमी केवल पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, साधना और पवित्रता का प्रतीक है

ब्यूरो प्रयागराज। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर श्री अनंत महादेव सेवा शिविर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के दौरान आचार्य सुशील महाराजने कहा कि बसंत पंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, साधना और पवित्रता का प्रतीक है। इस दिन गंगा स्नान करने से मन, तन और आत्मा की शुद्धि होती है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। सुशील महाराज ने कहा कि बसंत पंचमी मां सरस्वती को समर्पित पर्व है, जो विद्या, बुद्धि और विवेक की अधिष्ठात्री देवी हैं। इस दिन श्रद्धालुओं द्वारा किया गया स्नान, जप और ध्यान विशेष फलदायी होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे श्रद्धा और संयम के साथ संगम में स्नान करें तथा पर्व की गरिमा बनाए रखें। उन्होंने बताया कि शास्त्रों के अनुसार बसंत पंचमी के दिन किया गया पुण्य कर्म कई गुना फल देता है। माघ मास में स्नान का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यह समय तप, त्याग और साधना का माना गया है। ऐसे में बसंत पंचमी पर किया गया गंगा स्नान मोक्ष की ओर अग्रसर करने वाला होता है।

विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर दी गई बालविवाह के दुष्परिणामों की जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- जनपद मुख्यालय के अवतार मेहर बाबा हाईस्कूल में गुरुवार के दिन बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह से होने वाले नुकसान एवं उनको रोके जाने की व्यवस्था तथा पॉक्सो अधिनियम के बारे में जानकारी दी गई। सचिव द्वारा बताया गया कि बाल विवाह करने व कराने वाले तथा उत्प्रेरित करने वाले व्यक्ति को 2 वर्ष की तक की सजा व एक लाख रुपये तक के जुर्माने से दण्डित किया जा सकता है। जितना दोषी बाल विवाह करने वाला है उतना ही दोषी बाल विवाह करने, कराने वाला व्यक्ति या संस्था या पण्डित, मौलवी, पादरी या अन्य कोई भी हो वह भी है। इस अवसर पर सचिव महोदय द्वारा बाल विवाह रोके जाने हेतु नालसा द्वारा चलायी जा रही योजना ''आशा'' के तहत जारी एस0ओ0पी0 पर भी चर्चा की गयी। सचिव महोदय द्वारा कहा गया कि बाल विवाह एक तरह की सामाजिक बुराई है जिसे दूर करने के लिये समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा तभी हम एक स्वस्थ भारत एवं विकसित भारत का निर्माण करने में सक्षम हो सकेगे। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक, अध्यापकगण, जिला प्रोबेशन से शशि तिवारी व उनकी टीम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से कार्यालय लिपिक मो0 असलम व पार विधिक स्वयं सेवक छाया प्रजापति, नीरज विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

सपा कार्यकर्ताओं ने जनेश्वर मिश्र की जयंती पर श्रद्धांजलि

नैनी, प्रयागराज। गुरुवार को मेवा लाल बगिया चौराहा स्थित सपा कार्यालय में समाजवादी चिंतक पूर्व केंद्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित किया।उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया।मुख्य रूप से सपा नेता सुभाष चंद केसरवानी, मो अजहर,सत्य गोपल यादव, बच्चा जायसवाल,मुकेश जायसवाल, अनील जायसवाल, राजू पटेल, धीरु यादव,मो तारीख, राम मिलन यादव,सुरेश यादव, राजेश केसरवानी, आदि रहे।

आईसीसी के अल्टीमेटम के बाद बीसीबी का चौंकाने वाला फैसला, टी20 वर्ल्ड कप का बांग्लादेश ने किया बहिष्कार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने गुरुवार को पुष्टि की कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बांग्लादेश के विश्व कप मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित करने के अनुरोध को अस्वीकार किए जाने के बाद भी बीसीबी भारत में आईसीसी पुरुष विश्व कप मैच न खेलने के अपने निर्णय पर अडिग है। आईसीसी ने बुधवार को आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए बीसीबी के मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित करने के अनुरोध को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अस्वीकार कर दिया। यह कॉन्फ्रेंस आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी। टी20 विश्व कप 7 फरवरी से शुरू होगा, जिसकी सह-मेजबानी भारत और श्रीलंका करेंगे। बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने पत्रकारों से कहा हम आईसीसी के साथ बातचीत जारी रखेंगे। हम विश्व कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में नहीं खेलेंगे। हम संघर्ष करते रहेंगे। आईसीसी बोर्ड की बैठक में कुछ चौंकाने वाले फैसले लिए गए। मुस्तफिजुर का मामला कोई अलग-थलग मुद्दा नहीं है। उस मामले में (भारत) एकमात्र निर्णय लेने वाला था।

श्यामनाथ रेलवे क्रॉसिंग आज से 25 जनवरी तक बंद ट्रैक मरम्मत कार्य के चलते फ़ैसला, सुबह 10 बजे से आवागमन प्रभावित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर में शहर के लोगों को आज सुबह 10 बजे से आगामी चार दिनों तक यातायात संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उत्तर रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार सीतापुर सिटी स्टेशन स्थित श्यामनाथ रेलवे क्रॉसिंग (गेट संख्या 51) को ट्रैक मरम्मत कार्य के चलते गुरुवार सुबह 10 बजे से बंद कर दिया गया है यह रेलवे फाटक 22 जनवरी से 25 जनवरी की शाम 6 बजे तक बंद रहेगा। इस दौरान किसी भी प्रकार का वाहनों का आवागमन क्रॉसिंग से नहीं हो सकेगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेल पटरियों की मरम्मत और तकनीकी कार्य को सुरक्षित तरीके से पूरा करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। कार्य के दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फाटक को पूरी तरह बंद रखा जाएगा उत्तर रेलवे ने इस संबंध में पत्र जारी कर जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को पहले ही अवगत करा दिया है। रेलवे क्रॉसिंग बंद होने से इमलिया और गोला रोड की ओर जाने वाले वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना होगा। प्रशासन द्वारा तय किए गए रूट के अनुसार अब वाहन अमीरनगर और सलेमपुर अलीरजा नगरा रोड से होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे इसके लिए संबंधित मार्गों पर संकेतक भी लगाए जा रहे हैं ताकि लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो। फाटक बंद रहने के कारण सुबह और शाम के समय यातायात का दबाव वैकल्पिक मार्गों पर बढ़ने की संभावना है ऐसे में पुलिस और ट्रैफिक विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा मार्गों पर तैनाती बढ़ाई जाएगी ताकि जाम की स्थिति न बने। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें साथ ही समय से पहले घर से निकलकर यात्रा की योजना बनाएं, जिससे किसी तरह की परेशानी से बचा जा सकें!!

संसार में मित्रता से पवित्र रिश्ता नहीं होता -कथा व्यास योगेश महाराज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- सुमेरपुर विकासखण्ड क्षेत्र के छानी बुजुर्ग गांव के बड़ी देवी मंदिर परिसर में चल रही भागवत कथा में बृहस्पतिवार के दिन सुदामा चरित्र कथा सुनाई गई।कथा व्यास योगेश महाराज ने कथा में भगवान कृष्ण और सुदामा की मित्रता का अत्यंत ही हृदयस्पर्शी चित्रण किया।कथा सुनाते हुए कहा कि सुदामा अत्यंत ही दरिद्र ब्राह्मण थे लेकिन दरिद्र होते हुए भी इतने स्वाभिमानी थे कि गरीबी में रहने के बाद भी उन्होंने अपने बचपन के सखा भगवान कृष्ण को कभी भी अपनी दरिद्रता नहीं बताई ।वहीं करुणा के सागर द्वारिकाधीश ने जैसे ही द्वारपाल से अपने मित्र के आने की सूचना सुनी तो वे दौड़े-दौड़े अपने बचपन के सखा को लेने द्वार पर चले आए और उन्हें अपने आसन पर बैठाकर उनके चरण पखारे।इतना अगाध प्रेम कि 'पानी परात को हाँथ छुओ नहीं ,नैनन के जल सो पग धोए ' दोनों मित्रों में इतना प्रेम देखकर देवता भी हतप्रभ हो गए और भेंट स्वरूप सुदामा जी की पत्नी द्वारा दिए गए चावल भी इतने प्रेम से खाए जैसे राजसी भोग हो।मित्र के बिना कहे ही उन्हें दोनों लोकों की सम्पदा दे दी।कथा व्यास ने कहा कि मित्रता से पवित्र कोई रिश्ता नहीं होता।दोहा सुनाते हुए कहा ,गुरु संग कपट मित्र संग चोरी होवे दरिद्र कि होवे कोढ़ी ,इसलिए मित्र के साथ कभी भी छल का भाव नहीं रखना चाहिए।श्रोता गण कृष्ण और सुदामा की कथा सुन भावविभोर हो गए। बृहस्पतिवार के दिन हुई इस अंतिम दिन की कथा के बाद सुखदेव पूजन और भागवत पूजन किया गया। कार्यक्रम में यज्ञाचार्य , रोहित तिवारी, प्रदीप अवस्थी , आर्गन वादक मिथलेश , नालवादक राजू मस्ताना , परीक्षत आशुतोष व्यास, रिया व्यास, व्यवस्थाप प्रेम नारायण व्यास , सुनील व्यास वीरपाल सिंह, सुखवीर सिंह, मोनू व्यास, सुलखान सिंह, प्रधान शिवहरे, धीरज चौरसिया आदि का विशेष सहयोग रहा। दूसरी तरफ मौदहा विकासखण्ड के चंद्रावल तट पर बसे ग्राम छिमौली स्थित गोसाई बाबा महोत्सव में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन बृहस्पतिवार को कथा व्यास ने भगवान कृष्ण के जन्म एवं लीलाओं की कथा सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कथा व्यास गोसाई महाराज ने कहा कि परमात्मा ही परम सत्य है। जब हमारी वृत्ति परमात्मा में लगेगी,तो संसार गायब हो जाएगा। प्रश्न यह है कि परमात्मा संसार में घुले-मिले हैं तो संसार का नाश होने पर भी परमात्मा का नाश क्यों नहीं होता।इसका उत्तर यही है कि भगवान संसार से जुड़े भी हैं और अलग भी हैं। आकाश में बादल रहता है। और बादल के अंदर भी आकाश तत्व है। बादल के गायब होने पर भी आकाश गायब नहीं होता। इसी तरह संसार गायब होने पर भी परमात्मा गायब नहीं होते। संसार की कोई भी वस्तु भगवान से अलग नहीं है। कथा व्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के घरों से माखन चोरी की। इस घटना के पीछे भी आध्यात्मिक रहस्य है। दूध का सार तत्व माखन है। उन्होंने गोपियों के घर से केवल माखन चुराया अर्थात सार तत्व को ग्रहण किया और असार को छोड़ दिया।प्रभु हमें समझाना चाहते हैं कि सृष्टि का सार तत्व परमात्मा है। इसलिए, असार यानी संसार के नश्वर भोग पदार्थों की प्राप्ति में अपने समय, साधन और सामर्थ को अपव्यय करने की जगह हमें अपने अंदर स्थित परमात्मा को प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसी से जीवन का कल्याण संभव है। कथा व्यास ने बताया कि वास्तविकता में श्रीकृष्ण केवल ग्वाल-बालों के सखा भर नहीं थे, बल्कि उन्हें दीक्षित करने वाले जगद्गुरु भी थे। श्रीकृष्ण ने उनकी आत्मा का जागरण किया और फिर आत्मिक स्तर पर स्थित रहकर सुंदर जीवन जीने का अनूठा पाठ पढ़ाया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख सुशीला निषाद ,लालाराम लालाराम निषाद, उत्तम सिंह, मीलू निषाद, विनोद कुमार सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कथा का आनन्द लिया।